दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 10 अंक : 125 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 28 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 2 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

अशोक गहलोत के बयान पर डॉ. सतीश पूनियां का पलटवार

नेहरू-गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचा : डॉ. पूनियां

पूरी दुनिया में हमारी जांबाज सेना और मोदी की प्रशंसा हो रहीं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान पर हरियाणा भाजपा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने पलटवार कर कहा कि, कभी हिंद की सेना से प्रमाण मांगने वाले आज कांग्रेसी सभा कर रहे हैं। चुनौतियों में जब देश एकजुट होता है तब भी ये सियासत करते हैं, दोहरा चरित्र कांग्रेस की फ़ितरत है। इसीलिए पूरे देश में नीति और व्यवहार से नकार दी गई है। कांग्रेसी नेताओं के पास अनर्गल भाषण और नेहरू गांधी ख़ानदान की चरण वंदना के अलावा कुछ बचा नहीं है। डॉ. पूनियां ने कहा कि भारत की सेना ने आतंकवाद के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत अपना पराक्रम दिखाया और आतंकवादियों को

सबक सिखाया, उससे पूरी दुनिया में हमारी जांबाज सेना और हमारे मजबूत नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा हो रही है, सेना और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे देश की जनता को गर्व है, इसके बावजूद कांग्रेस घटिया राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है, सेना की बहादुरी एवं तिरंगा यात्राओं के सफल आयोजनों से कांग्रेस पूरी तरह बौखलाई हुई है। हमारे देश का सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो सदैव देश की सेवा में जुटा रहता है उसका मजाक उड़ाना भी कांग्रेस नेतृत्व की फितरत बन चुकी है, जिसकी साफ झलक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाड़मेर में दिए गए बयान में दिखी, जिन्होंने भारत की सेना के पराक्रम से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अमर्यादित एवं अलोकतांत्रिक बयान दिया है। पूरा देश एकता व अखंडता के साथ आतंकवाद से डटकर मुकाबला कर रहा है, आतंकवाद के खिलाफ की गई कार्रवाई की भारत की सेना और भारत के नेतृत्व की पूरी दुनिया समर्थन कर रही है, ऐसे में देश पर इमरजेंसी थोपने वाली व भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस के नेता देश के स्वाभिमान का मजाक उड़ा रहे, जिससे जनता अच्छे से वाकिफ है। डॉ. पूनियां ने कहा कि, अशोक गहलोत बताएं कि भारत के सैनिकों ने आधुनिकतम स्वदेशी तकनीक के जरिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवादियों और आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया, क्या यह आपको और दिल्ली में बैठे आपके कांग्रेस आलाकमान को पच नहीं रहा है, जब पूरी दुनिया आतंवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई का समर्थन कर रही है तो कांग्रेस के नेता और कांग्रेस नेतृत्व किसके कहने पर भारत के मजबूत नेतृत्व के खिलाफ बोल रहे हैं? उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सबसे पहले राष्ट्र, इसके बा दल, फिर स्वयं है, कांग्रेस के नेताओं के लिए पहला और आखिरी कार्य कांग्रेस आलाकमान गांधी खानदान का गुणगान है।

गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कसा तंज

कैमरे के सामने ऑपरेशन सिंदूर, ताकि यहां कोई सबूत न मांगे: मोदी

जयपुर टाइम्स

गांधी नगर(एजेंसीं.)।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने सिंधू जल संधि का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'पाकिस्तान हमसे सीधी लड़ाई में नहीं जीत पाया तो उसने आतंकियों को हमारे देश में भेजना शुरू किया। यानी उन्होंने प्रॉक्सी वॉर का सहारा लिया। जिसे हम आज तक प्रॉक्सी युद्ध कहते थे, 6 मई के बाद जो दृश्य देखने को मिले, उसके बाद हम अब इसे प्रॉक्सी युद्ध कहने की गलती नहीं कर सकते। हमने जिन आतंकियों को मिट्टी में मिलाया, वहां उनके जनाजों को सम्मान दिया गया, उसकी ताबूत पर पाकिस्तानी झंडे रखे गए। इससे पाकिस्तान का नापाक चेहरा सभी के सामने आ गया। मात्र 22 मिनट के भीतर 9 आतंकवादी ठिकानों की पहचान कर उन्हें नष्ट कर दिया गया, तो यह एक निर्णायक कार्रवाई थी। इस बार सब कुछ कैमरों के सामने किया गया, ताकि घर पर कोई सबूत न मांग सके। हमें इस बार सबूत नहीं देना पड़ रहा है उधर वाले सबूत दे रहे हैं। 'सबका भला चाहते हैं और मुसीबत में मदद भी करते हैं, लेकिन बदले में खून की नदियां बहती हैं'। प्रधानमंत्री मोदी ने सिंधू जल संधि का जिक्र कर कहा कि हम अपने काम में लगे थे, प्रगति की राह पर चले थे, हम सबका भला चाहते हैं और मुसीबत में मदद भी करते हैं, लेकिन बदले में खून की नदियां बहती हैं। 1960 में जो सिंधु जल समझौता हुआ है अगर उसकी बारीकी में जाएंगे तो आप चौंक जाएंगे। उसमें यहां तक तय हुआ कि जो जम्मू-कश्मीर की अन्य नदियों पर बांध बने हैं उनकी सफाई का काम नहीं किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना को मिल रही गति

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तत्परता से पीकेसी लिंक परियोजना की क्रियान्विति हो रही सुनिश्चित

चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट निर्माण के लिए मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने जारी की स्वीकृति

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महत्वाकांक्षी संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) को धरातल पर लागू करने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में परियोजना के प्रथम चरण में चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट निर्माण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) से स्वीकृति के बाद मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने अन्तिम स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस एक्वाडक्ट के माध्यम से रामगढ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी चम्बल नदी को पार करके मेज बैराज में डाला जाएगा और बीसलपुर और ईसरदा बांध तक लिफ्ट के माध्यम से ले

जाया जा सकेगा। 2280 मीटर लम्बाई के इस एक्वाडक्ट का एक छोर कोटा के पीपल्दासमेल गांव और दूसरा छोर बून्दी के गुहाटा गांव से जुड़ेगा। इससे कोटा की सुल्तानपुर तहसील के लोगों को बून्दी से गुजर रहे कोटा -सवाईमाधोपुर हाईवे से पक्की सड़क से एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध होगा। साथ ही, परियोजना में नवनेरा बैराज से मेज एनिकट तक फीडर निर्माण की कार्यवाही को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल व सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने वाली इस परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत 9400 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी कर योजना की क्रियान्विति शुरू कर दी गई है। इस चरण में पैकेज-2 के अन्तर्गत चम्बल नदी पर एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदला

हमें एकजुट होने और स्वदेशी ताकत की जरूरतः धनखड़

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसीं.)।। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की। उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों के अलावा लोगों से भी आती है। उपराष्ट्रपति और

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एम एल राजा को एक साल के लिए डॉ एस राधाकृष्णन चेयर के लिए नामित किया। डॉ. एस राधाकृष्णन चेयर की स्थापना 2009 में राज्य सभा की ओर से भारत में संसदीय लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए हुई थी। इस चेयर की शुरुआत प्रथम उपराष्ट्रपति के नाम पर हुई। जो बाद में राष्ट्रपति बने। धनखड़ के कार्यकाल के दौरान इसे क्रियाशील बनाया गया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजा एक नेत्र रोग विशेषज्ञ, पुरालेख विशेषज्ञ, पुरातत्वविद् और इतिहासकार के रूप में असाधारण बहु-विषयक विशेषज्ञता लेकर आए हैं। वे वर्तमान में अविनाश और रिच के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

एसीबी के शिकंजे में फंसा राजस्थान पुलिस का एएसआई, 10000 रुपये की रिश्वत लेते हुआ ट्रैप

जयपुर टाइम्स

उदयपुर(निसं.)। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो लगातार राजस्थान पुलिस विभाग के भ्रष्ट कर्मियों पर शिकंजा कस रही है. एसीबी अलग-अलग जिलों में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर भ्रष्टाचार को लेकर नकेल कस रही है. इस दौरान उदयपुर में एसीबी की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है. यहां एक एएसआई राजेश कुमार को ट्रैप किया गया और उसे 10000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. बताया जा रहा है कि एसीबी ने जाल बिछाकर एएसआई को पकड़ा है. बताया जा रहा है कि एसीबी के एडिशनल एसपी राजीव जोशी के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए, एएसआई राजेश कुमार को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. एएसआई राजेश कुमार उदयपुर के प्रतापनगर थाने तैनात हैं. बताया जा रहा है कि उदयपुर रेंज के एसीबी टीम को परिवादी द्वारा शिकायत मिली थी. जिसमें कहा गया था कि पुलिस थाना प्रतापनगर के आरोपी एएसआई द्वारा परिवादी को पुलिस थाना प्रतापनगर उदयपुर पर दर्ज प्रकरण में परिवादी एवं उसकी कार का नाम निकालने की एवज में आरोपी द्वारा परिवादी से रिश्वत राशि 15,000 रूपये की मांग की गई एवं रिश्वत राशि नहीं देने पर परिवादी को जेल में बंद करने की धमकी दी गई. जिस पर रिश्वत राशि मांग सत्यापन किया गया. जिसमें आरोपी द्वारा परिवादी से रिश्वत राशि 15,000 रुपये की मांग कर 10,000 रुपये ग्रहण करने की सहमति देने की पुष्टि हुई.

चीन - पाकिस्तान को देंगे मुंहतोड़ जवाब

अब भारत में ही बनेंगे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान, राजनाथ ने मेगा प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत-पाक में तनाव के बाद से केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बेड़े को और मजबूत करने की ठान ली है। इसके लिए सरकार द्वारा रक्षा बजट में अतिरिक्त पैसा देने की बात भी सामने आई है। इस बीच भारत अपनी हथियार प्रणाली को भी मजबूत कर रही है, जिसके लिए राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा फैसला लिया। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायुसेना के लिए पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी डीप पेनेट्रेशन एडवांस्ड

मीडियम कॉम्बैट फाइटर प्लेन को विकसित करने के लिए एक मेगा प्रोजेक्ट को मंजूरी दी। इसे लागू करने के लिए "निष्पादन मॉडल" को मंजूरी दे दी गई है। भारत अपनी वायु शक्ति क्षमता को बढ़ाने के लिए एडवांस्ड स्टील्थ फीचर्स के साथ मीडियम वेट डीप पेनेट्रेशन फाइटर जेट विकसित करने की महत्वाकांक्षी एएमसीए परियोजना पर काम कर रहा है। भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोग्राम निष्पादन मॉडल को मंजूरी दे दी है। बता दें कि भारत का स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट है। ये स्वदेशी तो है, लेकिन कई अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। इसमें रडार से बचने की क्षमता, बेहतरीन हथियार प्रणाली और सेंसर हैं।

हादसों का अमंगल- दो अलग अलग दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत

अमंगलः कार-ट्रक की टक्कर में खाटूश्यामजी जा रहे तीन श्रद्धालुओं की मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी के समीप मंगलवार को बड़ा अमंगल हो गया। जयपुर में ट्रक-कार की आमने-सामने की टक्कर में दो भाइयों समेत 3 की मौत हो गई। दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार सवार बुरी तरह से फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया। एक्सीडेंट मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे-148 पर रायसर थाना क्षेत्र में रतनपुरा गांव के पास मंगलवार दोपहर 2.45 बजे हुआ। कार सवार लोग रायबरेली (उत्तरप्रदेश) के रहने वाले थे। एएसपी जयपुर ग्रामीण नारायण लाल तिवाड़ी ने बताया कि कार सवार युवक खाटूश्यामजी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। कार ओवर टेक करने के दौरान सामने से आ रहे

ट्रक से टकरा गई। कार सवार अजय यादव, उसका भाई अभय यादव और आकाश यादव की मौत हो गई। वहीं, शिवम मौर्य और शुभम शर्मा गंभीर घायल हो गए, जिनका निम्स अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। युवक कार में बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। आधे घंटे की मशक्कत के बाद कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोग जुट गए, जिन्होंने पुलिस के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। इस बीच, पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम के देरी से पहुंचने पर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने हंगामा करते हुए पुलिस को खरी-खोटी सुनाई। युवकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

ट्रेलर और रोडवेज़ बस की भीषण टक्कर में तीन लोगों की मौत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)।। विराटनगर कोटपूतली के पास नेशनल हाइवे 48 पर आंतेला के निकट मंगलवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हरियाणा रोडवेज की बस और एक ट्रेलर के बीच हुई जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला भी शामिल है। इस हादसे में करीब 24 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर कई एंबुलेंस पहुंचीं और घायलों को आसपास के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हादसे की भयावहता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि बस का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई यात्रियों को बस के अंदर से निकालने में राहत

दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हादसे के कारण नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग गया था, जिसे हटाने के लिए क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को किनारे किया गया। इसके बाद यातायात को सुचारू रूप से चालू किया गया। पुलिस ने पूरे घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ट्रेलर की तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लगाने की वजह से यह टक्कर हुई। हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रशासन घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा दिलाने में जुटा है और पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है।

वाटर कूलर का किया उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। रोटरी क्लब अलवर द्वारा प्रोजेक्ट के तहत आर के इंफ्रा के राकेश जैन अगोनीज एवं अशोक जैन अगोनीज के सौजन्य से वाटर कूलर के लगाने के क्रम में आठवां वाटर कूलर मिराज इन होटल पर स्थापित कर उद्धघाटन किया गया। इन वाटर कूलर के समस्त रख रखाव की जिम्मेदारी मिराज इन होटल की रहेगी। उद्धघाटन कार्यक्रम में रोटरी क्लब अलवर अध्यक्ष दीपक कट्टा, रोटेरियन सचिव मुकुंदगुप्ता, कोषाध्यक्ष बी डी अग्रवाल, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर अशोक कुमार (लेमिनेशन वाले), रोट. दीपकमल अरोड़ा, रोट. विकास गुप्ता, रोट. हर्ष गुप्ता, रोट. सुमन यादव, वाइस प्रेसिडेंट रोट. संगीता हीरावत (फाइनेंस) एवं मिराज इन होटल के डायरेक्टर मनीष पोपली, मैनेजर प्रकाश तवंर और धर्मेद्र उपस्थित रहे। इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन रोटरी क्लब अलवर के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन नीरज जैन हैं।

हर आंगन एक परिंडा - हर पक्षी खुशहाल अभियान की शुरुआत 30 मई से

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। गर्मियों की तपती दोपहरों में जब मानव को भी शीतल जल की तलाश रहती है, तब हमारे आस-पास उड़ने वाले पक्षियों की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। इसी मानवीय सोच और पर्यावरणीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार द्वारा एक अभिनव जन-जागरूकता अभियान "हर आंगन एक परिंडा - हर पक्षी खुशहाल, छोटी सी कोशिश - नभचर जीवन को राहत" 30 मई शुरू किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके अंतर्गत जिला प्रशासन व सामान्य जन के संयुक्त प्रयास से परिंडे (पानी के पात्र) वितरित किए जाएंगे साथ ही इसके महत्व को बताकर आमजन को जागरूक किया जाएगा, ताकि हर घर, हर आंगन में पक्षियों को जल सुलभ हो सके। 30 मई को प्रातः 8.00 बजे, इस जन-संवेदनशील अभियान का शुभारंभ पुरानी अनाज मंडी, खैरथल में किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने इस अवसर पर नागरिकों से अपील की वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें और अपने आंगन को परिंदों के लिए जीवनदायक स्थल बनाएं। यह प्रयास न केवल पक्षियों के जीवन को संजीवनी देगा, बल्कि समाज में पर्यावरणीय चेतना का भी संचार करेगा।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान वित्त निगम के के शाखा प्रबंधक आर.एन मिश्रा ने बताया कि राजस्थान वित्त निगम के शाखा कार्यालय में आज औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित हुआ। जिसमें उद्यमियों को विभिन्न ऋण योजनाओं से अवगत कराकर उद्यमियों को निगम द्वारा ऋण प्राप्ति हेतु सरलीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि शिविर में 50 लाख रूपये की ऋण पत्रावली प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री दुग्ध संबंल योजना

पशुपालकों के खाते में 88.43 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने सीएम का जताया आभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य के दुग्ध उत्पादकों को 88.43 करोड़ की अनुदान राशि का भुगतान किया है। यह राशि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से सहकारी समितियों से जुड़ी डेयरियों पर दूध देने वालों को 5 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के करीब साढे चार लाख पशुपालक किसानों के बैंक खाते में यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार राजस्थान के प्रत्येक पशुपालक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने, पशुपालन क्षेत्र को विकसित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट घोषणा-2025-25 में इस योजना के लिए घोषित की गई 500 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान कर दिया गया है। अब बजट घोषणा 2025-26 के लिए घोषित अनुदान राशि में से जनवरी, फरवरी, मार्च व अप्रेल-2025 माह की बकाया अनुदान राशि 200 करोड़ रुपए की डिमांड के लिए वित विभाग को प्रस्ताव भेज दिया गया है, जो कि जल्द ही लाभार्थी पशुपालक किसानों को राशि डीबीटी कर दी जाएगी।

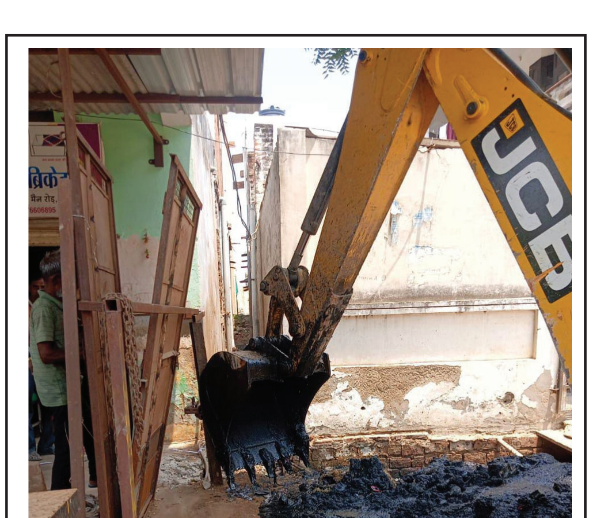

अलवर। नगर निगम द्वारा नयाबास रोड पर नाले पर बने पटावों को तोड कर सफाई करवाई गई

जिला कलक्टर ने ली जिला परिषद की समीक्षात्मक बैठक जल संचय जन भागीदारी

अभियान व एमजेएसए 2.0 के कार्यों को 30 जून तक पूर्ण करने के दिए निर्देश

प्रधानमंत्री धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत लगाए जाने वाले शिविरों की करें तैयारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला परिषद की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई जिसमें जल संचय जन भागीदारी अभियान, एमपी एमएलए लैड, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, मनरेगा, आंगनबाडी रिनोवेशन एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

बावडियों के जीर्णोद्धार कार्यों को 15 दिवस में करें पूर्ण

जिला कलक्टर ने मनरेगा की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जिले में मनरेगा योजना से कंवर्जन कर 9 बावडियों के जीर्णोद्धार कार्यों में शेष प्रगतिरत 6 कार्यों को आगामी 15 दिवस में पूर्ण करें। उन्होंने मनरेगा से कंवर्जन कर प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक तैयार कराए जा रहे खेल मैदान/स्टेडियम की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि इन मैदानों को गुणवत्ता के साथ तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि मनरेगा के स्वीकृत किए जाने वाले कार्यों में डेयरी फार्मिंग के कार्यों को शामिल करें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि प्रगतिरत 6 हजार कार्यों को 30 जून से पूर्व पूर्ण करें एवं उन्हें पोर्टल पर अपडेट करावे।

योजनाओं की करें प्रभावी मॉनिटरिंग

जिला कलक्टर ने जिला परिषद के सीईओ को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में संचालित योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना के तहत ग्राम पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों की प्राथमिकता तय करने हेतु अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जावे। साथ ही योजना के तहत प्रगतिरत कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे। इसी प्रकार उन्होंने सांसद स्थानीय निधि कोष व विधायक स्थानीय निधि कोष योजना की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों को त्वरित रूप से अमलीजामा पहनाना सुनिश्चित किया जावे। प्रगतिरत कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने आंगनबाडी रिनोवेशन कार्यों की समीक्षा कर महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक को निर्देश दिये कि उपखण्ड अधिकारियों व विकास अधिकारियों से समन्वय कर सरकारी योजनाओं एवं सीएसआर के माध्यम से और आंगनबाडियों के रिनोवेशन कराने के प्रस्ताव तैयार करें। बैठक में जिला परिषद के सीईओ सालूखे गौरव रविन्द्र, वाटरशेड विभाग के अधीक्षण अभियन्ता नरेन्द्र मोथू, मनरेगा के अधीक्षण अभियन्ता नरेन्द्र लक्खीवाल, अधिशाषी अभियन्ता अभियांत्रिकी प्यारेलाल मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक लक्ष्मण सिंह, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक महेश चंद गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, एलडीएम बाबूलाल पालरिया सहित संबंधित अधिकारी एवं समस्त बीडीओ मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान की तैयारियों की कि समीक्षा

जिला कलक्टर ने प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका को विकसित करने एवं केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से आदिवासी क्षेत्रों के जनजातीय लोगों को लाभांवित कराने के उद्देश्य से जिले में 15 जून से 30 जून तक 7 पंचायत समितियों में चयनित 142 गांवों में शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें जनजातीय लोगों को लाभांवित कराया जाना है। उन्होंने निर्देश दिये कि जिला परिषद के सीईओ संबंधित विभागों की तैयारी बैठक लेवे तथा उन्हें शिविर के दौरान किए जाने वाले कार्यों एवं उनके दायित्वों के संबंध में अवगत कराकर इन शिविरों के माध्यम से भारत सरकार की मंशा के अनुरूप जनजातीय लोगों को लाभांवित करें।

30 जून तक प्रगतिरत एमजेएसए कार्यों को पूर्ण करने के दिए निर्देश

उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के द्वितीय चरण की समीक्षा कर निर्देश दिये कि 30 जून तक योजना के तहत स्वीकृत सभी 5488 कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि योजना के अंतर्गत अलवर जिले की 9 पंचायत समितियों के 64 ग्राम पंचायतों के 195 गांव का 54783 हैक्टेयर क्षेत्र उपचारित किया जाना है। इस कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के कार्य स्वीकृत नहीं हैं उन स्थानों पर मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत प्रमुखता से जल संरक्षण के कार्य स्वीकृत किए जावे। उन्होंने जिला परिषद के सीईओ को निर्देशित किया कि प्रत्येक ब्लॉकवार एमजेएसए 2.0 के कार्यों की नियमित समीक्षा करें।

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने स्व. पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर किए श्रद्धासुमन अर्पित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारत के प्रथम प्रधान मंत्री भारत रत्न स्व. पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में पुराने सूचना केन्द्र अलवर में नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि वे संपन्न परिवार से होते हुए भी सारे आराम छोड़कर अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी की लड़ाई लडने़ देश की जनता के बीच गए तथा आजादी की लड़ाई में लगभग ग्यारह वर्षों तक जेल में रहे। नेहरू तथा उनके साथी स्वतंत्रता सैनानियों के त्याग तपस्या और बलिदानी आंदोलनों से तंग आकर अंग्रेजी हुकूमत को ढाई सौ साल की गुलामी से भारत को मुक्त करने को मजबूर होना पड़ा। ऐसी महान आत्मा को हम जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारी कोटि कोटि नमन करते है। इस मौके पर सभी कार्यकताओं ने नेहरू को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में योगेश मिश्रा, गफूर खान, प्रदीप आर्य, राम बहादुर सिंह तंवर, एस आर यादव, ओमप्रकाश सैन, रामप्रकाश शर्मा, गोपेश शर्मा, अनवर साजिद, कमलेश सैनी, राजेश विरमानी, योगेश शर्मा, राजेश कृष्ण सिद्ध, हिरेंद्र शर्मा, पंकज शर्मा, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, बीना नरूका, रमन सैनी, सोनू गोपालिया, जगदीश अवस्थी, जमशेद खान, विशाल बौद्ध, अनिल चुग, कमल सैन, रामकिशन वर्मा, मनोज आहूजा, तथा कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

जोधपुर में जेल जाने के चौथे दिन कैदी की मौत

जोधपुर (निसं.)जोधपुर में जेल जाने के चौथे दिन एक विचाराधीन कैदी की मौत हो गई। सोमवार की देर रात कैदी की तबीयत खराब होने पर महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। साथ ही शव लेने से इनकार करते हुए मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठे गए हैं। जोधपुर सेंट्रल जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत ने बताया- विचाराधीन बंदी नथमल(31) पुत्र ढगलाराम रावर का निवासी था। उसे कापरड़ा से रातानाडा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 04, जोधपुर महानगर के आदेश से 24 मई को जेल में भेजा था। सोमवार देर रात करीब 2 बजे अचानक तबीयत खराब होने के बाद उसे जेल डिस्पेंसरी में दिखाया गया। इसके बाद उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला स्तरीय मेवात क्षेत्रीय विकास समिति की बैठक का हुआ आयोजन

बैठक में जिले के वार्षिक कार्यों का हुआ अनुमोदन

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सचिवालय खैरथल में जिला स्तरीय मेवात क्षेत्रीय विकास समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 के वार्षिक कार्यों का अनुमोदन किया गया। बैठक के दौरान मेवात क्षेत्रीय विकास योजना अंतर्गत पंचायत समिति तिजारा, मुण्डावर, किशनगढ़बास एवं कोटकासिम से प्राप्त प्रस्तावों एवं जिला स्तर पर प्राप्त कुल 1659.29 लाख रुपये के कार्यों का अनुमोदन कर राज्य सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विधायक किशनगढ़ बास दीपचंद खैरिया, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, प्रधान तिजारा जे.पी. यादव, प्रधान किशनगढ़ बास बी.पी. सुमन, प्रधान कोटकासिम संता देवी, प्रधान मुण्डावर सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं सभी बीडीओ मौजूद रहे।

कार से 2 किलो डोडा चूरा बरामद, मौका पाकर बदमाश हुआ फरार

टोंक(निसं.) जिले की लांबाहरिसिंह थाना पुलिस ने सोमवार देर रात एक कार से 2 किलो 86 ग्राम डोडा-चूरा बरामद किया है। आरोपी पुलिस को देखकर कार को खड़ी कर मौका पाकर भाग छूटा। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। कार से बरामद किए गए डोडा-चूरा की कीमत करीब 30 हजार रुपये है। लांबाहरिसिंह थाना प्रभारी राजकुमार बिरला ने बताया कि सोमवार रात 1.20 बजे गश्त के दौरान कांटोली मोड़ पर एक कार आती दिखाई दी, उसे रुकवाने के लिए हाथ से इशारा किया, लेकिन उसके ड्राइवर ने पुलिस को देखकर कार को मोड़कर भागा। पीछा करने पर कार को कुछ दूरी पर ड्राइवर जींद बाबा मंदिर के पास (कांटोली) में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। इसे इधर उधर पकड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन अंधेरा होने से वह दूर भाग छूटा। बाद में रोड पर ही खड़ी कार की तलाशी ली तो पीछे की सीट के पास प्लास्टिक की थैली मिली। इसमें 2 किलो 86 ग्राम डोडा-चूरा मिला। साथ ही एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी मिला।

अच्छा किया बीमा लिया अभियान की कलक्ट्रेट परिसर से हुई शुरुआत

एडीएम शहर ने बीमा जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) की महत्वाकांक्षी पहल 'सबको बीमा अभियान 2047' के अंतर्गत जनरल इंश्योरेंस काउंसिल द्वारा संचालित बीमा शिक्षा एवं जन जागरूकता अभियान 'अच्छा किया बीमा लिया' की शुरुआत कलक्ट्रेट परिसर से अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने बीमा जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर की। इस अवसर पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार दास ने बताया कि यह वैन जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को बीमा के महत्व से अवगत कराएगी। उन्होंने बताया कि यह अभियान नुक्कड़ नाटक, लाइव प्रस्तुतियाँ एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से जीवन, स्वास्थ्य एवं जनरल बीमा की आवश्यकता और लाभ को सरल भाषा में आमजन तक पहुँचाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रारंभिक दिन में टीम ने कलक्ट्रेट, रेलवे स्टेशन एवं नगर पालिका परिसरमालाखेड़ा में बीमा के संबंध में जानकारी दी जिन्हें जनता ने उत्साहपूर्वक सराहा। आगामी पांच दिनों तक यह वैन जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर अभियान को गति देगी। उन्होंने बताया कि 'हर व्यक्ति तक बीमा की पहुँच और समझ' को साकार करना ही इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि अभियान में राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस एवं जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिसमें 7 सदस्यीय टीम प्रमुख भूमिका में है। इस अवसर पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की उप निदेशक सुरभि चौधरी, यूआईआईसी मंडलीय प्रबंधक शंकर लाल मीना, शाखा प्रबंधक दयाराम मीना, प्रशासनिक अधिकारी सत्यनारायण गोयल सहित जिला स्तरीय समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों पर जोगिंदर सिंह अवाना की निगाहें

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर 29 मई को जयपुर के पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित राष्ट्रीय लोक दल कार्यकर्ता सम्मेलन की जोरदार तैयारी, पार्टी के प्रदेश प्रभारी मलूक नागर और राष्ट्रीय महासचिव व विधायक सुभाष गर्ग भी रहेंगे मौजूद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राष्ट्रीय लोकदल के राजस्थान इकाई के सुप्रीमो जोगिंदर सिंह अवाना की निगाहें बसपा से कांग्रेस पार्टी में आए नेताओं पर टिक गई हैं इन नेताओं में वे नेता भी शामिल हैं जो पिछली गहलोत सरकार में हाथी पर सवार होकर विधानसभा में पहुंचे थे और फिर बाद में कांग्रेस में शामिल हुए उनमें एक जोगिंदर सिंह अवाना भी हैं जिन्हें अभी राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राजस्थान में पार्टी की कमान दी है, पार्टी की कमान हाथ में लेने के बाद ही जोगिंदर सिंह अवाना राजस्थान में पार्टी को तीसरी बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित करने के लिए पुरजोर तरीके से जुट गए हैं इसी क्रम में अवाना उन नेताओं को राष्ट्रीय लोक दल में लाने के बारे में सोच रहे हैं जो पूर्व में बसपा में उनके साथी रह चुके हैं बताया गया है कि वर्ष 2019 में बसपा से कांग्रेस में आधा दर्जन विधायकों के शामिल होने के इस पूरे राजनीतिक खेल में जोगेंद्र सिंह अवाना और राजेंद्र सिंह गुड़ा की प्रमुख भूमिका थी इन दोनों नेताओं ने ही अन्य बसपा की विधायकों को कांग्रेस में शामिल करने के संदर्भ में राजी किया था जिसके बाद सभी आधा दर्जन बसपा के विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए थे बाद में अशोक गहलोत ने शामिल होने वाले विधायकों में से कुछ विधायकों को मंत्रिमंडल में भी शामिल किया था, अब ऐसा लग रहा है कि राष्ट्रीय लोकदल को ज्वाइन करने के बाद अवाना अपने सभी पुराने साथियों को राष्ट्रीय लोकदल में शामिल करने के प्रयास में हैं, जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 में जब बसपा के छह विधायक चुने गए थे उनमें जोगेंद्र सिंह अवाना और राजेंद्र सिंह गुड़ा का अन्य विधायकों के साथ बहुत अच्छा अटैचमेंट था और सभी बसपा के विधायक हमेशा एक साथ और एक विचार के साथ नजर भी आए, इन सब विधायकोंमें आपस में मजबूत राजनीतिक संबंध तो थे ही इसके अलावा व्यक्तिगत संबंध भी मजबूत थे इसलिए अब जोगेंद्र सिंह अवाना राष्ट्रीय लोकदल के विस्तार को गति देने के लिए न केवल अपने पुराने साथियों को राष्ट्रीय लोकदल से जोड़ने के प्रयास में जुट गए हैं इसके अलावा कांग्रेस और भाजपा में जो नेता खुद को अपसेट समझ रहे हैं उन नेताओं पर भी अवाना की निगाहें टिकी हुई है जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय लोकदल के सुप्रीमो जयंत चौधरी

ने काफी सोच समझकर अवाना को जिम्मेवारी सौंप है चौधरी यह जानते हैं कि अवाना भरतपुर संभाग में पॉपुलर राजनेता हैं इसके पिछली गहलोत सरकार में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष पद पर विराजमान रहने के दौरान जोगिंदर सिंह अवाना ने राज्यव्यापी दौरे किए थे इसलिए गुर्जर समाज में भी अवाना की अच्छी पकड़ अभी भी बनी हुई है इन तमाम तथ्यों को देखते हुए जयंत चौधरी ने अवाना को राजस्थान स्टेट की पार्टी की बागडोर देने में बिल्कुल भी देरी नहीं की, जोगिंदर सिंह अवाना के कांग्रेस छोड़कर राष्ट्रीय लोक दल में शामिल होने के कुछ दिनों बाद ही उन्हें राजस्थान में राष्ट्रीय लोक दल की बागडोर दे दी गई। जानकारीके अनुसार राजस्थान कांग्रेस के बड़े नेताओं में आपस में जोरदार टकराव के हालात पिछले कई सालों से बने हुए हैं पहले तो अशोक गहलोत और सचिन पायलट इन दो बड़े नेताओं के ही ग्रुप बने हुए थे अब गोविंद सिंह डोटासरा और टीकाराम जूली जैसे नेताओं के भी ग्रुप बन गए हैं इसलिए कांग्रेस हाई कमान की लाख कोशिशें के बावजूद भी राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि इन दोनों अशोक गहलोत दिल्ली में काफी कमजोर हुए हैं ऐसे में गहलोत के कई

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर 29 मई को जयपुर में राष्ट्रीय लोक दल का कार्यकर्ता सम्मेलन

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर 29 मई को जयपुर में पिंक सिटी प्रेस क्लब के सभागार में राष्ट्रीय लोकदल का राज्य व्यापी सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है इस सम्मेलन में राष्ट्रीय लोक दल के राजस्थान प्रभारी मलूक नागर और राष्ट्रीय लोकदल के विधायक और राष्ट्रीय लोक दल के नवनियुक्त राष्ट्रीय महासचिव सुभाष गर्ग तथा राष्ट्रीय लोकदल के राजस्थान इकाई के नवनियुक्त अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह अवाना सहित राष्ट्रीय लोक दल के कई अन्य बड़े नेता तथा राजस्थान के कोने-कोने से आए राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ता और नेता शामिल होंगे इस सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, इस सम्मेलन में पार्टी के कार्यकर्ताओं को पार्टी के सीनियर नेताओं की ओर से यह बताया जाएगा कि उन्हें कैसे और किस तरह से राजस्थान के गांव गांव और ढाणी ढाणी में जाकर राष्ट्रीय लोकदल की नीति नियम सिद्धांत आगामी योजनाएं के बारे में बताना है राष्ट्रीय लोक दल जिसकी स्थापना भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने की थी जिन्हें हिंदुस्तान में किसानों का सबसे बड़ा मसीहा और हितेषी माना जाता है जिन्होंने किसान मजदूर वर्ग के लिएकई बड़े काम किया जिनकी वजह से आज भी हिंदुस्तान के कोने-कोने में लोग उन्हें आदर से याद करते हैं खासतौर से किसान और युवा वर्ग में चौधरी चरण सिंह की ईमानदार, नैतिक आचरण और स्वच्छ छवि की मिसाल माने जाते थे और उन्होंने देश के किसानों और मजदूरों की भलाई के लिए ही इस पार्टी की स्थापना की थी इसलिए अब राजस्थान में भी चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार करने के लिए उनके कहे अनुसार पार्टी को मजबूती देने के तरीकों के बारे में इस सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से पार्टी के कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा

क्या अपने मित्र राजेंद्र सिंह गुड़ा को राष्ट्रीय लोक दल में शामिल करवाने में सफल होंगे जोगेंद्र सिंह

बताया गया है कि पिछली गहलोत सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र सिंह गुड़ा और जोगेंद्र सिंह अवाना के बीच गहरी दोस्ती है, राजनीतिक संबंधों के अलावा इन दोनों नेताओं में पारिवारिक और व्यक्तिगत संबंध भी अच्छे हैं अब चर्चा होने लगी है कि क्या राजेंद्र सिंह गुड़ा को राष्ट्रीय लोकदल में शामिल करवाने में अवाना कामयाब होंगे हालांकि पिछले दिनों संवाददाता सम्मेलन में जोगेंद्र सिंह अवाना ने कहा था कि अपने पुराने राजनेताओं दोस्तों ने उन्हें राष्ट्रीय लोक दल का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है उन्हें नेताओं के संपर्क में भी हैं अब यह नेता जोगेंद्र सिंह अवाना के संपर्क में ही रहेंगे या अवाना इन नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने में सफल होंगे यह देखने वाली बात होगी राजेंद्र सिंह गुड़ा वर्तमान में शिवसेना एकनाथ शिंदे की पार्टी से जुड़े हुए हैं घ उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों में जोगेंद्र सिंह अवाना के अलावा राजेंद्र सिंह गुड़ा, दीपचंद खेरिया, वाजिद अली लाखन सिंह शामिल थे अब देखने वाली बात यह है कि इनमें से कौन-कौन राष्ट्रीय लोक दल में शामिल होता है।

कट्टर समर्थक कांग्रेस छोड़कर भाजपा और अन्य दलों में जा चुके हैं इसलिए जोगेंद्र सिंह अवाना की निगाहें कांग्रेस के उन नेताओं पर हैं जो अपने आप को कांग्रेस में अपसेट समझ रहे हैं ऐसे नेताओं को राष्ट्रीय लोक दल में शामिल करने के बारे में जोगिंदर सिंह अवाना गंभीरता से सोच रहे हैं क्योंकि इनमें कई नेता ऐसे हैं जो पूर्व में मंत्री और विधायक रह चुके हैं इसलिए ऐसे नेताओं को राष्ट्रीय लोक दल में शामिल करके अवाना राजस्थान में राष्ट्रीय लोकदल को तीसरी बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित करने का सपना देख रहे हैं अब यह सपना उनका पूरा होगा या नहीं यह तो आने वाला समय बताएगा क्योंकि वर्तमान में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी भी तीसरी बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने के प्रयास में युद्ध स्तर पर जुटी हुई है एक समय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के राजस्थान विधानसभा में तीन विधायक और एक सांसद हुआ करते थे लेकिन अब राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का एक भी विधायक नहीं है हालांकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संरक्षक हनुमान बेनीवाल नागौर से जरूर सांसद हैं इसलिए कहीं ना कहीं एक समय ऐसा लग रहा था कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तीसरी बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित हो जाएगी लेकिन अब राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा और अन्य दलों में जा चुके हैं जिनमें उम्मेदाराम बेनीवाल जो बाड़मेर से सांसद हैं और खीमसर से रेवंत राम जैसे भाजपा के विधायक भी शामिल हैं, इसी तरह से भारत आदिवासी पार्टी के वर्तमान में तीन विधायक और एक सांसद हैं लेकिन अभी हाल ही में जय कृष्णा पटेल के भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद कहीं ना कहीं भारत आदिवासी पार्टी की छवि पर भी विपरीत असर पड़ा है ऐसे में राष्ट्रीय लोक दल के पास में इस समय पार्टी को बेहतर तरीके से खड़ा करने का एक अच्छा मौका हाथ लगा है और इस मौके को जोगेंद्र सिंह अवाना हर हाल में भूलना चाहते हैं इसीपरिपक्ष बेहतर तरीके से खड़ा करने का एक अच्छा मौका हाथ लगा है और इस मौके को जोगेंद्र सिंह अवाना हर हाल में भूलना चाहते हैं इसी बेहतर तरीके से खड़ा करने का एक अच्छा मौका हाथ लगा है और इस मौके को जोगेंद्र सिंह अवाना हर हाल में बेहतर तरीके से खड़ा करने का एक अच्छा मौका हाथ लगा है और इस मौके को जोगेंद्र सिंह अवाना हर हाल में अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं इसीलिए कांग्रेस बीजेपी और अन्य राजनीतिक दलों के जो नेता खुद को इस समय अपनी पार्टी में अपसेट महसूस कर रहे हैं उन पर अवाना की निगाहें जमी हुई हैं ।

आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने ली समीक्षा बैठक

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण शत-प्रतिशत रूप से हो सुनिश्चित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने मंगलवार को समीक्षा बैठक कर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, ऑनलाइन सर्विसेज़, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, संपर्क पोर्टल सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त सीमा कुमार सहित जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लक्ष्य को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाये। आयुक्त ने जोनवार शत-प्रतिशत कवरेज न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यदि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का कवरेज नहीं हो रहा है और हर घर से कचरा नहीं उठ रहा है तो उसकी कटौती बिल में से की जानी चाहिए। इसके साथ ही गाड़ियों के साथ हेल्पर हो और उन हेल्पर द्वारा ही कचरा हूपर में डाला जाए, यह भी सुनिश्चित हो। फील्ड में जाकर व्व्ब् भी रेंडमली चैक करें। आयुक्त ने कहा कि गीले व सूखे कचरे का पृथक्कीकरण के लिए आमजन को भी समझाइश करनी होगी जिससे आमजन गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करके ही हूपर्स में डालें। गीला कचरा हरे रंग के डस्टबिन में तथा सूखा कचरा नीले रंग के डस्टबिन में डालें।

आमजन इस प्रकार से कर सकते हैं गीले व सूखे कचरे को अलग-अलगः

गीला कचरा सब्जी/फल के छिलके, बचा हुआ भोजन, अंडे के छिलके, टिशू पेपर, पत्ते की प्लेट, पूजा के फल-फूल, घास, पत्ते, चाय बैग, कॉफ़ी पावडर। सूखा कचरा प्लास्टिक, कागज, दूध/दही के पैकेट, अखबार, स्टेशनरी, गत्ते के टुकड़े, बिना टूटा ग्लास, जार/बोतलें, नारियल के छिलके इत्यादि। आयुक्त ने नाला सफाई का भी फीडबैक लिया तथा अधिकारियों को फील्ड में जाकर नाला सफाई कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

Naam sanshodhan

Naam sanshodhan soochana Main SADDAM HUSEN putr YUSUF jaati luhaar nivasi luhaaron ka mohalla ward nambar 34 naya 51 tahaseel va jila churu (raj.) ka mool nivaasee hoon. meri paasaport sankhya M7572963 mein meri NAAM kee angrejee varnamaala SADDAM HUSAIN darj ho gaya hai joki galat hai. bhavishy mein mere naam kee angrejee varnamaala SADDAM HUSEN ke anusaar hee mujhe jaana va pahachaana jaaven. SADDAM HUSEN putr YUSUF jaati luhaar nivaasee luhaaron ka mohalla vaard nambar 51, churu (raj.)

नाम परिवर्तन

मैं विनोद कुमार (vinod kumar) पुत्र नथमल शर्मा (nathmal sharma) निवासी बुधवाली तहसील रतनगढ़ चुरू राजस्थान का निवासी हूं। मैने अपना नाम बदलकर विनोद कुमार शर्मा (vinod kumar sharma) पुत्र नथमल शर्मा (nathmal sharma) रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाने।

मैं विनोद कुमार शर्मा पुत्र नथमल शर्मा निवासी बुधवाली तहसील रतनगढ़ जिला चुरू राजस्थान

मानसून से पहले सुनिश्चित हों बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के समस्त आवश्यक इंतजाम

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में की मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं) जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को मानसून सीजन से पहले बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए आपसी समन्वय स्थापित करते हुए बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम जयपुर ग्रेटर एवं जयपुर हैरिटेज के अधिकारियों को सिवरेज एवं नालों की गुणवत्तापूर्ण सफाई का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने, सफाई के बाद सड़क पर जमा कीचड़ एवं गंदगी का उठाव करवाने, खुले सिवरेज के खुले चैंबर्स और मेनहोल पर ढक्कन लगावाने एवं नालों पर फैरो कवर लगवाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने बाढ़ नियंत्रण कक्षों की स्थापना के साथ-साथ मिट्टी के कट्टों, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों, जेसीबी, पोकलेन, मडपंप, सहित मानव संसाधन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला कलक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले तारों को कसने, झुके हुए बिजली के पोलों को सीधा करने, खुले फीडरों बंद करने, खुले तारों को दुरुस्त करने एवं लो-लाइन पैनल बॉक्स एवं ट्रांसफार्मर को ऊंचाई पर लगवाने एवं मानसून सीजन के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पाइप लाइन की लीकेज दुरुस्त करने, आवश्यकता होने पर टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी बांधों पर सहज दृश्य एवं बड़े अक्षरों में अंकित चेतावनी बोर्ड लगवाने के निर्देश दिये। उन्होंने पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को जिले के सभी छोटे बड़े तालाबों पर चेतावनी बोर्ड लगावाने के निर्देश दिये। बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को रपट क्षेत्र एवं लो-लाइन एरिया की टूट, रेलिंग एवं जंजीर को दुरुस्त करवाने, बांधों की आवश्यकता अनुसार मरम्मत करवाने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिवृष्टि होने पर भूमि कटाव और जलभराव से निपटने एवं रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता रखी जाए। जिला कलक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने यहां बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित कर ले एवं उन पर पूरी जानकारी रखने वाले अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाए। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, रसद विभाग, पुलिस, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, वन विभाग, नगर निगम, जेडीए, जयपुर मैट्रो, गृह सुरक्षा, शिक्षा, पशुपालन सहित अन्य कई विभागों के अधिकारियों को भी मानसून के दौरान विभागीय स्तर पर अपेक्षित समस्त इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश प्रदान किए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) श्री गोपाल सिंह शेखावत सहित, संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

राज्यपाल ने सलूंबर में की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जयपुर(कासं.)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को सलूंबर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें। राज्यपाल ने महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना, मुद्रा योजना, छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं की विभागवार प्रगति की जानकारी ली और लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौगोलिक कठिनाइयों वाले क्षेत्रों में संसाधनों की कमी को देखते हुए विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है ताकि पलायन को रोका जा सके और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार हो। बागडे ने शिक्षा की गुणवत्ता पर बल देते हुए कहा कि सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले यह प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, नल और बिजली कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक ग्राम तक पहुंचाने की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य कर प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सरलता से पहुंचाने का आह्वान किया।

राज्य में नगरीय निकायों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन के प्रस्तावों को लेकर मंत्रीमण्डलीय उप समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर(कासं.)। मंत्रिमण्डल सचिवालय, राजस्थान सरकार के आदेशों की अनुपालना में मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में राज्य में नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्राप्त प्रस्तावों को लेकर परीक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में अजमेर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं गहन चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारी भूमि विकास बैंकों के समस्त पात्र ऋणी सदस्यों को मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना का लाभ दिलवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में योजना के अंतर्गत प्रगति धीमी है, वे विशेष प्रयास कर वसूली में सुधार के प्रयास करें। राजपाल मंगलवार को अपेक्स बैंक सभागार में प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि योजना से लाभान्वित करने के लिए सरपंचों को पात्र ऋणियों की सूची उपलब्ध करवाकर उनके माध्यम से पात्र व्यक्तियों को प्रोत्साहित किया जाए। योजना के पात्र व्यक्तियों को एकत्र कर सरपंच की उपस्थिति में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइस के माध्यम से भी ऋणी सदस्यों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि पीएलडीबी के प्रशासक एवं अध्यक्षों को भी मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना के क्रियान्वयन में शामिल किया जाए। साथ ही, ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं स्थानीय एनजीओ को भी इस कार्य में सम्मिलित किया जाए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड), उप रजिस्ट्रार एवं केन्द्रीय सहकारी बैंकों के प्रबंध निदेशकों को भी प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को फिर से मुख्यधारा में लाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने वाले ऋणी सदस्यों को पुन नया ऋण उपलब्ध करवाया जाए, जिससे उन्हें 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना का भी लाभ मिल सके। राजपाल ने कहा कि जिन प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों में हाल ही में नये सचिवों को कार्यभार सौंपा गया है, वे त्वरित रूप से सक्रिय होकर योजना में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत जिन लाभार्थियों को बड़ी राहत मिलती है, उनका विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अन्य ऋणी सदस्य भी योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित हो सकें। राजपाल ने योजना में राज्य औसत से अधिक प्रगति के लिए दौसा, बिलाड़ा, भीलवाड़ा, बीकानेर, चूरू एवं रायसिंहनगर आदि पीएलडीबी की सराहना करते हुए और अधिक प्रगति हासिल करने के लिए निरन्तर सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने 10 करोड़ रुपये से अधिक अवधिपार ऋण एवं एक हजार से अधिक पात्र ऋणियों वाले प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को वसूली के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) अधिक अवधिपार राशि एवं कम वसूली करने वाले प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें।

बचपन पर मंडराते खतरे

कुछ समय पूर्व 'सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च' द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलो-दिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आज अनेक बच्चे भूत और किसी अन्य भटकती आत्मा के भय से घिरे रहते हैं। पांच शहरों में कराए गए इस सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष सामने आया कि हिंसा और भय वाले कार्यक्रमों के कारण बच्चों के दिलोदिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों पर गहरा भावनात्मक असर पड़ता है जो आगे चलकर उनके भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया कि पचहत्तर फीसद टीवी कार्यक्रम ऐसे हैं जिनमें किसी न किसी तरह की हिंसा जरूर दिखाई जाती है। सस्पेंस, थ्रिलर, हॉरर शो और सोप ओपेरा देखने वाले बच्चे जटिल मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शिकार हो जाते हैं।

इस समय भारत समेत दुनिया भर के बच्चों पर तमाम तरह के खतरे मंडरा रहे हैं। अब जलवायु परिवर्तन भी उन्हें अपना शिकार बना रहा है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 2.3 अरब बच्चों में से लगभग 69 करोड़ बच्चे जलवायु परिवर्तन के सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जिसके चलते उन्हें उच्च मृत्यु दर, गरीबी और बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग तिरपन करोड़ बच्चे बाढ़ और उष्णकटिबंधीय तूफानों से सर्वाधिक प्रभावित देशों में रहते हैं। गौरतलब है कि इनमें से ज्यादातर देश एशिया में हैं। करीब सोलह करोड़ बच्चे सूखे से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में पल-बढ़ रहे हैं। इन क्षेत्रों में से ज्यादातर अफ्रीका में हैं।

बच्चे किसी भी समाज या राष्ट्र का भविष्य होते हैं। यह हमारे देश का दुर्भाग्य है कि यहां बचपन बचाने की चिंता खोखले आदर्शवाद के दायरे में ही सिमट कर रह गई है। आज बचपन पर छाई धुंध और गहराती जा रही है। आज एक ओर विभिन्न चैनलों द्वारा परोसी जा रही अश्लीलता से बचपन असुरक्षित होता जा रहा है तो वहीं हिंसापूर्ण फिल्में बाल भावनाओं को विकृत कर रही हैं। कहीं बस्तों के बोझ से बचपन दब गया है तो कहीं शिक्षा के अभाव में बच्चे दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। एक ओर बच्चे अत्याचार से पीड़ित हैं तो दूसरी ओर पारिवारिक विघटन का असर उन पर पड़ रहा है। आज बच्चों से संबंधित ऐसे ही अनेक प्रश्नों पर गंभीरता से पुनर्विचार की आवश्यकता है।

कुछ समय पूर्व 'सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च' द्वारा जारी एक रिपोर्ट में बताया गया था कि टीवी पर दिखाई जाने वाली हिंसा से बच्चों के दिलो-दिमाग पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक आज अनेक बच्चे भूत और किसी अन्य भटकती आत्मा के भय से घिरे रहते हैं। पांच शहरों में कराए गए इस सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष सामने आया कि हिंसा और भय वाले कार्यक्रमों के कारण बच्चों के दिलोदिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों पर गहरा भावनात्मक असर पड़ता है जो आगे चलकर उनके भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस सर्वेक्षण में यह निष्कर्ष निकाला गया कि पचहत्तर फीसद टीवी कार्यक्रम ऐसे हैं जिनमें किसी न किसी तरह की हिंसा जरूर दिखाई जाती है। सस्पेंस, थ्रिलर, हॉरर शो और सोप ओपेरा देखने वाले बच्चे जटिल मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शिकार हो जाते हैं।

आज यह भी देखने में आ रहा है कि हम अक्सर बच्चों के मन को समझे बिना अपनी इच्छाएं उन पर थोप देते हैं। ऐसे में बच्चे जिस अंतर्द्वन्द्व से गुजरते हैं वह अंततः अनेक समस्याओं को जन्म देता है। यहां यह कहा जा सकता है कि यदि बच्चों की इच्छाओं के समक्ष घुटने टेक दिए जाएंगे तो उनके और जिद्दी बनने तथा गलत रास्ते पर चलने की संभावना बढ़ जाएगी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हम बच्चों की इच्छाओं को कोई महत्त्व ही न दें। अमूमन होता यह है कि हम शुरू में बच्चे को बहुत अधिक प्यार करते हैं। ऐसे में माता-पिता से बच्चे की अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। अपनी इन्हीं अपेक्षाओं के अनुरूप जब बच्चा अपनी इच्छाएं माता-पिता से बताता है तो वे उसे डांट-फटकार कर चुप कर देते हैं। माता-पिता का यह व्यवहार ही बच्चों को विद्रोही व चिड़चिड़ा बना देता है। होना यह चाहिए कि हम प्रारंभ से ही बच्चों के साथ एक संतुलित रवैया अपनाएं। उन्हें ठीक ढंग से समझने के लिए हमें अपने अंदर एक मनोवैज्ञानिक दृष्टि भी विकसित करनी होगी। उनकी इच्छाओं व भावनाओं को महत्त्व देते हुए हमें यह समझने की कोशिश करनी होगी कि वास्तव में वे चाहते क्या हैं। यदि बच्चे अपनी गलत जिद पर अड़े हुए हैं तो हमें मात्र डांट-फटकार का रास्ता न अपना कर विवेक व प्यार का रास्ता अपनाना होगा। हमें कोशिश करनी होगी कि बच्चों को विश्वास में ले सकें।इसके लिए हमें बहुत छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए अपने व्यवहार में भी परिवर्तन लाना होगा।

माता-पिता द्वारा बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने के अनेक रूप हो सकते हैं। अक्सर यह देखने में आया है कि माता-पिता स्वयं जिस लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते हैं वे उस लक्ष्य तक अपने बच्चों को पहुंचाने की कोशिश करते हैं। वे इस जुनून में यह भी परवाह नहीं करते कि वास्तव में बच्चे की अपनी इच्छा क्या है। वे यह भी जानने की कोशिश नहीं करते कि बच्चे में उस लक्ष्य तक पहुंचने की क्षमता है भी या नहीं। बच्चे के उज्ज्वल भविष्य का स्वप्न देखना और उस स्वप्न को साकार करने का प्रयास करना गलत नहीं है, लेकिन यह सब यथार्थ के धरातल पर होना चाहिए। बच्चों की क्षमता को न देखते हुए किसी एक ही कैरियर का जुनून पालना गलत तो है ही, बच्चों के प्रति भी अन्याय है। अमूमन होता यह है कि माता-पिता बच्चे के स्तर से अधिक की आशा रखते हैं। ऐसे में आशानुरूप परिणाम न मिलने के कारण माता-पिता के डर से अनेक बच्चे आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं। इस तरह की अनेक घटनाएं अक्सर प्रकाश में आती रहती हैं।

आज की महानगरीय जीवन शैली में माता और पिता दोनों ही अपने-अपने कामों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में भी बच्चों की उचित व संपूर्ण देखभाल प्रभावित होती है। बच्चों को आया या नौकर के सहारे छोड़ दिया जाता है। व्यावसायिकता के इस दौर में किड गार्डन संस्कृति भी खूब फल-फूल रही हैं। नौकर व किड गार्डन कुछ समय तक तो बच्चों की देखभाल कर सकते हैं लेकिन समस्या तब आती है जब अत्यधिक व्यस्तता के कारण माता-पिता बच्चों को मात्र इस व्यवस्था के सहारे ही छोड़ देते हैं। संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं और एकल परिवारों का जन्म हो रहा है। एकल परिवारों में बच्चों को दादा-दादी का साथ नहीं मिल पा रहा है। पहले संयुक्त परिवार में दादा-दादी बच्चों को अनेक पौराणिक व शिक्षाप्रद कहानियां सुनाया करते थे, जिससे प्रारंभ से ही बच्चों के सामने कुछ आदर्श रहते थे। ऐसे में बच्चों में संस्कारों का पनपना स्वाभाविक था। लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। व्यावसायिकता के इस दौर में बच्चों को टीवी ही अपना एकमात्र साथी दिखाई देता है। हालांकि बच्चे टीवी के माध्यम से अनेक जानकारी भी ग्रहण करते हैं। लेकिन वे परियों की कहानियां सुनने के बजाय अश्लीलता देखने में रुचि लेने लगते हैं। बच्चा कच्ची मिट्टी के समान होता है। बचपन में उसे जिस सांचे में भी ढाला जाए वह उसी सांचे में ढल जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज हम एक ओर बचपन बचाने की चिंता कर रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए कोई आदर्श प्रस्तुत नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में बच्चों से नैतिकता के मार्ग पर चलने की आशा रखना खोखला आदर्शवाद नहीं तो और क्या है?

सम्पादकीय

कुछ वर्षों में बिखरने लगी है प्रकृति की गति और लय

प्रकृति की अपनी गति होती है, लेकिन दुख की बात है कि उसकी लय पिछले कुछ वर्षों में बिखरने लगी है। पिछले कुछ दिनों में देश के अलग-अलग हिस्से में कहीं तेज आंधी चली, तो कहीं मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया। दरअसल, वैश्विक ताप बढ़ने के साथ न केवल भारत में, बल्कि दुनियाभर में मौसम का चक्र टूट रहा है। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में अप्रत्याशित आंधी-बारिश आई। राजधानी सहित देशभर के ज्यादातर हिस्से में जहां मई में भीषण गर्मी पड़ती है, वहीं इस बार मौसम इस कदर बदला कि लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ कि यह बारिश का मौसम है या गर्मी का। मौसम विभाग ने ही बताया कि पिछले शनिवार को हुई बारिश ने 125 वर्ष का रेकार्ड तोड़ दिया। कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए और रिहाइशी इलाकों में भी काफी नुकसान हुआ। राजधानी में तेज आंधी और बारिश के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इसे सहज माना जाए या फिर जलवायु परिवर्तन की चेतावनी समझा जाए। हाल ही में बंगलुरु में लगातार बारिश से जन-जीवन थम-सा गया। घरों में पानी घुस गया। सड़कों पर नावें भी चलीं। महाराष्ट्र में भी कमोबेश यही स्थिति पैदा हुई। दूसरी ओर मानसून ने केरल में इस बार समय से पहले दस्तक दे दी है। हैरत की बात यह है कि कोई पंद्रह साल बाद यह सबसे जल्दी आया है। यह आमतौर पर एक जून को आता है, लेकिन इस वर्ष यह न केवल पहले आया, बल्कि देखते ही देखते कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों पर भी छा गया। भारत में मौसम के बदलते मिजाज की यह नई तस्वीर है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों का मानना था कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं से मौसम बदला। मगर इसके बाद मौसम इस कदर पलटेगा और भयावह तूफान आएगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। विचित्र बात है कि एक ओर दक्षिण-पश्चिम भारत में बारिश हो रही है, तो उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। कहीं तेज हवाएं चलने के कारण लोगों को सतर्क किया जा रहा है, तो कहीं आंधी चलने की चेतावनी जारी की जा रही है। मौसम के बदलते तेवर के जोखिम से जनहानि का अंदेशा भी बना रहता है। वहीं रेल और हवाई यातायात पर असर पड़ता है। पिछले दिनों कई उड़ानों के मार्ग बदलने पड़े। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ आमतौर पर सर्दियों में बारिश की वजह बनता है। अगर यह मई के महीने बारिश की वजह बन रहा है, तो इसे गंभीरता से समझने की जरूरत है। समय पूर्व और तीव्रता से आंधी-बारिश जैसी परिस्थितियां जलवायु परिवर्तन की वजह से तो नहीं हो रही है? मौसम विज्ञानी पहले से ही चेतावनी देते रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि बढ़ते वैश्विक तापमान ने वायुमंडल की नमी धारण करने की क्षमता बढ़ा दी है। नतीजा यह कि मौसम अब तेजी से बदलने लगा है। उत्तर भारत में जिस तरह तापमान बढ़ा है, वह असहनीय है। गर्म दिनों की तुलना में गर्म रातें बढ़ने की खबरों ने पहले से ही चिंता बढ़ा दी है। आने वाले वर्षों में मौसम की तस्वीर कैसी होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। आंधी-तूफान या घनघोर बारिश प्रकृति का चक्र हो सकता है, लेकिन अगर इसे ध्यान में रख कर बुनियादी ढांचे का विकास किया जाए, तो मौसम के बिगड़े मिजाज से होने वाले नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।

संस्कृति का जीवन

इसका कारण भारतीय संस्कृति का लचीला स्वभाव था। हमारी पहचान का वैश्वीकृत और पश्चिमीकृत दौर में बने रहना भी इसलिए संभव हो सका, क्योंकि हमारी संस्कृति ठोस रहने के बजाय लचीली रही। उदाहरणार्थ जहां पिछली सदी में दुनियाभर की कई संस्कृतियां बदलते समय से प्रभावित होकर विलुप्त हो गईं, वही भारतीय संस्कृति ऐसी विषम परिस्थिति में भी अटल खड़ी रही। हालांकि भारतीय संस्कृति पर भी इस दौरान कई चीजों ने प्रभाव डाला, लेकिन इतना नहीं की मूल सिद्धांत खो जाए, जैसे बाकी सभ्यताओं के साथ हुआ। आज भारतीय रीति-रिवाज इसलिए बरकरार हैं कि ये बदलती हवा को अवशोषित कर बदलते दौर में जीने की काबिलियत रखते हैं। अगर हम फिर भी किसी शंका में सदियों से चली आ रही परंपराओं और त्योहारों के जिंदा रहने का कारण तलाशते हैं तो आखिर हमें यही मालूम चलेगा कि यह आयाम जिंदा रहे क्योंकि बदलते समय के साथ चलते रहे, न कि किसी समय में ठहर गए। आज नए तौर-तरीकों के साथ तीज-त्योहारों को मनाया जाता है, क्योंकि यहां कोई बाध्यता नहीं है, बल्कि अपनी इच्छा अनुसार त्योहारों में नए प्रावधान जोड़ने की आजादी है। भारतीय संस्कृति के कई स्वभाव है, लेकिन उसका समय अनुसार बदलने का यह स्वभाव अपने आप में खास है। आज युगों से चली आ रही परंपराओं में कुछ बदलाव भी इसलिए संभव हो सका है कि भारतीय संस्कृति में लचीलापन है। आज हम जैसा चाहें, वैसा अपने त्योहारों को मना सकते हैं और यही वह बात है जो भारतीय संस्कृति को और खास बनाती है। भारतीय संस्कृति किसी भी ओर से कट्टर नहीं है, वह पूरी तरह नूतन, नवीन तथा अर्वाचीन है, जो बदलते समय के साथ सामंजस्य बनाना बखूबी जानती है। करोड़ों लोग 'कौन बनेगा करोड़पति' जैसे खेल में भाग लेने के लिए प्रयासरत होते हैं। यहां भाग्य और कर्म की दौड़ में बेरोजगार रोजगार के लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में आस का पंछी बन जाते हैं। करोड़पति बनने की भागमभाग में एक सवाल यह भी उठता है कि क्या यह प्रतियोगिता सभी के लिए है? ऐसा है तो वे लोग इस प्रतियोगिता में कैसे हिस्सा ले सकते हैं, जो दृष्टि या श्रवण क्षमता से बाधित हैं। जबकि उनको भी शिक्षा पहचान, इशारों आदि के द्वारा प्राप्त होती है। सवालों की दुनिया में प्रतिभागी की तरह करोड़पति बनने की चाह में क्या वे भी कभी शामिल हो पाएंगे? क्या 'केबीसी' उनके लिए भी ऐसे सवाल प्रतियोगिता में शामिल करेंगे, जिनके जवाब इशारों से या पहचान से वे दे सकें, ताकि उन वर्गों को भी अपने आत्मबल को मजबूत बनाने के साथ-साथ अन्य प्रतिभागियों की तरह प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिल सके। हालांकि गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को 'केबीसी' में प्रतिभागी बनाने से बचना चाहिए, क्योंकि ज्यादा खुशी या हारने के दुख से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

पानी पर लिखी कहानी

किसी ने कभी कहा होगा कि तीसरा विश्व युद्ध पानी को लेकर होगा। वे पूरी तरह गलत नहीं थे। हमारे ही देश के दो राज्य जिस तरह पानी के बंटवारे को लेकर एक दूसरे के खिलाफ तलवारें ताने हुए हैं, उससे डरावने भविष्य की स्पष्ट तस्वीर उभर आती है। इन दिनों एक तस्वीर लगातार सामने आ रही है। एक नन्हे पौधे के इर्द-गिर्द खड़े करीब पचास लोग वृक्षारोपण की रस्म अदायगी करते कैमरे की तरफ झांकते हैं। इनमे से कितने पर्यावरण को लेकर गंभीर हैं, उस फोटो को देख कर अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। आज जरूरत है प्रकृति के प्रति जुनूनी समर्पण की।

'पानी का न रंग है, न स्वाद, न सुगंध और न इसे परिभाषित किया जा सकता है। यह जीवन के लिए केवल जरूरी नहीं, खुद जीवन है। यह हमें उन तृप्तियों से भर देता है जो इंद्रियों के आनंद से अधिक है।' फ्रेंच लेखक अंटोनिओ डे सेंट की पंक्तियां पानी के रहस्य से हमारा परिचय करा देती है। कहना न होगा कि यह रहस्यमय जल हमें इतनी प्रचुरता में मिला था कि हम इसकी कद्र करना भूल गए। जो भी चीज मनुष्य को इफरात में मिलती है, उसके प्रति वह उदासीन हो जाता है। पिछले तीस-चालीस वर्षों में ही पीने के पानी का संकट विकराल रूप ले चुका है। अखबारों के अंचल के पन्नों और शहरी खबरों में इस भयावह समानता को महसूस किया जा सकता है। इन्हीं समाचारों के बीच कभी-कभी मानसिक दिवालिएपन की झांकी भी नजर आ जाती है, जहां वर्षा के लिए जानवरों के विवाह कराए जाने के हास्यास्पद टोटके आजमाए जाने का जिक्र होता है। प्रकृति के प्रति उदासीनता के परिणामों का असर नजर आने लगा है। भूजल स्तर हर गुजरते साल के साथ नीचे उतर रहा है। किसी ने कभी कहा होगा कि तीसरा विश्व युद्ध पानी को लेकर होगा। वे पूरी तरह गलत नहीं थे। हमारे ही देश के दो राज्य जिस तरह पानी के बंटवारे को लेकर एक दूसरे के खिलाफ तलवारें ताने हुए हैं, उससे डरावने भविष्य की स्पष्ट तस्वीर उभर आती है। इन दिनों एक तस्वीर लगातार सामने आ रही है। एक नन्हे पौधे के इर्द-गिर्द खड़े करीब पचास लोग वृक्षारोपण की रस्म अदायगी करते कैमरे की तरफ झांकते हैं। इनमे से कितने पर्यावरण को लेकर गंभीर हैं, उस फोटो को देख कर अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। आज जरूरत है प्रकृति के प्रति जुनूनी समर्पण की। अच्छी बारिश के बाद तस्वीर में मौजूद अधिकतर लोगों को याद नहीं रहता कि उस पौधे का क्या हाल है। त्योहार की तरह पेड़ लगाने वालों को समझना होगा कि यह सिर्फ साल में एक बार किया जाने वाला काम नहीं है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता हमारी जीवन

शैली होना चाहिए, तब जाकर हम आगामी पीढ़ी के लिए बेहतर परिस्थितियां निर्मित कर पाएंगे। जल संकट और कुछ नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन शैली और रहन-सहन के बदलते स्वरूप का नतीजा भर है। हमारी पीढ़ी को यह कटु सत्य स्वीकार लेना चाहिए कि उनके समय में पानी एक उत्पाद की तरह बिकना शुरू हो गया है। तरक्की का यह सोपान मानव जाति को किस स्थिति से रूबरू कराएगा, सिर्फ कल्पना की जा सकती है। पानी की समस्या पर पर्यावरणवादियों और चिंतकों के अलावा फिल्मकारों ने भी अवर्षा को केंद्र में रख कर पानी के महत्त्व को आवाज देने का प्रयास किया है। ख्यात फिल्मकार ख्वाजा अहमद अब्बास ने पचास वर्ष पहले महसूस कर लिया था कि पानी का दुरुपयोग और अभाव हमारे जीवन को गहरे तक प्रभावित करने वाला है। इसी संकट को केंद्र में रख कर उन्होंने फिल्म 'दो बूंद पानी' (1971) निर्मित और निर्देशित किया। उसका कथानक और संदेश उस दौर से ज्यादा आज प्रासंगिक है। आरके नारायण के उपन्यास पर आधारित 'गाइड' (1965) में अवर्षा कथानक के केंद्र में है। एक चोर परिस्थितिवश साधु बन जाता है, लेकिन गांव वालों की अपने प्रति अगाध श्रद्धा के चलते वर्षा के लिए बारह दिन के उपवास की तपस्या कर बैठता है। इधर भूख से उसकी मृत्यु होती है और उधर गांव में झमाझम बारिश शुरू हो जाती है। यह फिल्म देव आनंद को बतौर अभिनेता, विजय आनंद को बतौर निर्देशक और एसडी बर्मन को बतौर संगीतकार तब तक अमर रखेगी, जब तक इस धरा पर सिनेमा मौजूद रहेगा! अमोल पालेकर निर्देशित अपने आप में अनूठी फिल्म 'थोड़ा-सा रूमानी हो जाए' (1990) पानी को जीवन के कई प्रतीकों में बांधती है। जीवन में उत्साह और आत्मविश्वास का खत्म हो जाना एक तरह से प्रकृति का पानीविहीन हो जाना है। कविताई शैली में बोले गए संवादों की वजह से नाना पाटेकर और अनिता कंवर की केंद्रीय भूमिका वाली इस फिल्म में भी भारी सूखे के बाद बारिश का आना जीवन में आशा के संचार का प्रतीक बन कर उभरा है।

कल्पना कीजिए कि फिल्म 'लगान' (2001) से भारी सूखा झेल रहे गांव वालों की त्रासदी को निकाल दिया जाए तो फिल्म में क्या बचेगा! 'लगान' अपनी मंजिल से ही भटक जाएगी।

'हेरा फेरी 3' कॉन्ट्रोवर्सी पर बोले डायरेक्टर प्रियदर्शन

परेश रावल के फिल्म 'हेरा फेरी 3' छोड़ने की खबर ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अब इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत की। उन्होंने कहा कि परेश ने यह फैसला करने से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी थी। वो खुद इस स्थिति से हैरान और निराश हैं।

आज तक परेश ने इस बारे में बात नहीं की

बातचीत में प्रियदर्शन ने कहा, फिल्म शुरू होने से पहले मैंने तीनों ङ्क अक्षय, सुनील और परेश ङ्क से क्लियर पूछा था कि क्या आप लोग तैयार हैं? सबने कहा ङ्क हां। फिर हमने एक दिन शूट भी किया। सब स्मूद चला। लेकिन अचानक परेश जी के हटने की खबर आई... बिना कुछ बोले, बिना कोई कारण बताए। आज तक उन्होंने मुझसे इस बारे में कोई बात ही नहीं की।'

'भूत बंगला' के सेट पर कोई तनाव नहीं दिखा

डायरेक्टर ने आगे बताया, ना कोई कॉल, ना कोई मैसेज। हाल ही में हमने 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की। इस फिल्म में भी अक्षय और परेश दोनों साथ थे। वहां भी सब कुछ नॉर्मल था। दोनों के बीच बिल्कुल कॉर्डियल और प्रोफेशनल रिश्ता था। कोई तनाव नजर नहीं आया।

वहीं जब हमने प्रियदर्शन से पूछा कि क्या वाकई अक्षय कुमार ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोका है, तो उन्होंने कहा, इस फिल्म के राइट्स और प्रोडक्शन अक्षय कुमार संभाल रहे थे। ऐसे में अगर किसी को नुकसान हुआ है तो वो सिर्फ अक्षय हैं। अगर परेश जी को कोई दिक्कत थी तो कम से कम बात करते। खैर, मैं सिर्फ डायरेक्टर हूं। मुझे नहीं पता उनके और अक्षय के बीच क्या हुआ? ना उन्होंने कुछ बताया, ना ही कोई बातचीत की। मैं पूरी तरह ब्लैंक हूं।'

प्रियंका चोपड़ा से दीपिका पादुकोण तक, फिल्मों के लिए तगड़ी फीस लेती हैं ये अभिनेत्रियां

हाल ही में खबर आई कि दीपिका पादुकोण की एंट्री प्रभास अभिनीत फिल्म स्पिरिट में हो गई है। इस फिल्म के लिए अभिनेत्री ने मोटी फीस चार्ज की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने करीब 20 करोड़ रुपये लिए हैं। इस रकम के साथ वे बॉलीवुड की सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में शामिल हो गई हैं। फिल्मों के लिए तगड़ी फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के बारे में जानते हैं...

प्रियंका चोपड़ा

भारत में सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर हैं। हालांकि, पिछले छह वर्ष से उनकी कोई भारतीय फिल्म रिलीज नहीं हुई है। अब वे एस एस राजामौली की फिल्म में नजर आएंगी। इसमें वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने इस साउथ फिल्म के लिए करीब 30 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। भारतीय सिनेमा में यह किसी अभिनेत्री के लिए सबसे ज्यादा फीस हो सकती है, लेकिन हॉलीवुड में वे इससे भी ज्यादा फीस चार्ज करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सिटाडेल सीरीज के लिए उन्होंने करीब 41 करोड़ रुपये फीस ली।

कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हैं। फीस के मामले में भी वह हाइएस्ट पेड अदाकाराओं में शामिल हैं। वे विज्ञापनों के लिए करीब छह से सात करोड़ रुपये फीस चार्ज करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैटरीना प्रति फिल्म करीब 10-12 करोड़ रुपये प्रति फीस लेती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट का नाम भी लिस्ट में शामिल है। कपूर परिवार की बहू बन चुकी आलिया प्रति फिल्म करीब 10 से 15 करोड़ रुपये फीस चार्ज कती हैं।

करीना

इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की करीना कपूर बॉलीवुड की पावरहाउस स्टार हैं। शादी और मां बनने के बाद भी करियर को किस कदर आगे बढ़ाया जा सकता है, करीना ने इसका उदाहरण सेट किया है। फीस की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे प्रति फिल्म करीब 8-18 करोड़ रुपये फीस लेती हैं।

श्रद्धा कपूर

बीते वर्ष फिल्म स्त्री 2 से बॉक्स ऑफिस की गद्दी पर राज करने वाली अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की भी अपनी चमक है। वह फिल्मों के लिए 7-15 करोड़ रुपये फीस लेती हैं। इसके अलावा विज्ञापनों के लिए भी वह अच्छी-खासी रकम चार्ज करती हैं।

करिश्मा तन्ना को नहीं मिल रहा ढंग का काम

करिश्मा तन्ना को आखिरी बार अमेजन प्राइम के शो कॉल मी बे में देखा गया था। इसमें एक्ट्रेस गेस्ट अपीयरेंस में नजर आई थीं। करिश्मा फुल फ्लेज रोल में दो साल पहले हंसल मेहता की क्राइम सीरीज स्कूप में दिखी थीं। इसमें उन्होंने एक क्राइम जर्नलिस्ट की भूमिका निभाई थी। लंबे समय से स्क्रीन से गायब रहने पर एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बात की है। वह कहती हैं, मेरे पास वास्तव में इसका कोई जवाब नहीं है। लंबे समय के बाद, मेरे पास एक प्लेटफॉर्म और अभिनय-आधारित स्क्रिप्ट थी। स्कूप चुनौतीपूर्ण था। ऐसा नहीं है कि शो के बाद मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं। मुझे पता है कि अगर सही स्क्रिप्ट लिखी जाए तो डायरेक्टर उसे और भी ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है। मैं बस इस तरह के काम का इंतजार कर रही हूं।

करिश्मा आगे कहती हैं, मुझे अच्छे ऑफर मिले लेकिन किसी कारण से मेरे पास जो आया, उसके लिए मैं हां नहीं कहना चाहती। मैं किरदार आधारित भूमिकाओं की उम्मीद कर रही थी, क्योंकि मैंने दिखा दिया था कि मैं क्या करने में सक्षम हूं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि खुद की रिलेवेंसी बनाए रखने के लिए वो ऐसी प्रोजेक्ट साइन करने के बहुत करीब पहुंच गई हैं, जो बेहद निराशजनक थे। वह कहती हैं, मैं ऐसी स्क्रिप्ट की उम्मीद करती हूं, जिसके साथ मैं न्याय कर सकूं।

प्रभास की फिल्म छोड़ दीपिका ने थामा अल्लू अर्जुन का दामन

हीरोइन नंबर वन दीपिका पादुकोण की निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से खटक गई है। वह अब उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में शायद ही काम करें क्योंकि दीपिका के अब एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने के नए नियम से संदीप खुश नहीं थे। 'स्पिरिट' की डेट्स दीपिका ने फिल्म 'जवान' के अपने निर्देशक एटली की झोली में डाल दी हैं, जो जल्द ही अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ एक मेगा बजट फिल्म करने जा रही हैं।

फिल्म 'एनिमल' के बाद इसके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा अब तक दूसरी फिल्म शुरू नहीं कर पाए हैं। लोगों को इसकी सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार है लेकिन उससे पहले संदीप का वादा प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' पूरी करने का है। इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही शुरू हो जानी थी, लेकिन दीपिका के मां बनने की खबरें आने के बाद संदीप ने इस फिल्म की शूटिंग आगे के लिए टाल दी। अब दीपिका के मां बनने के बाद जो पहली फिल्म शुरू होनी थी, उसमें सबसे पहले 'स्पिरिट' का ही नंबर था। फिल्म के निर्माता इस फिल्म के लिए दीपिका को 20 करोड़ रुपये देने की बात भी मांग गए थे, लेकिन चूंकि संदीप रेड्डी वंगा का काम करने का स्टाइल अलग है तो दीपिका पहले से ही कुछ बातें लिखित में चाह रही थी। जानकारी के मुताबिक दीपिका ने एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने की शर्त रखी और ये भी कि वह तेलुगु में अपनी डबिंग नहीं करेंगी।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

प्रोजेक्ट पर क्या बोले रणदीप?

रणदीप हुड्डा ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन तक दुश्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जोड़ दिया।

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी एक बेस्टसेलर किताब पर आधारित है, जिसे पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने प्रकाशित किया है। इस किताब के फिल्मी अधिकार अब ऑफिशियली राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम जोरों पर है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिल्म की टीम का मानना है कि 'ऑपरेशन खुकरी' न सिर्फ एक थ्रिलिंग एक्शन फिल्म होगी, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरगाथा को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने का एक जरिया बनेगी।

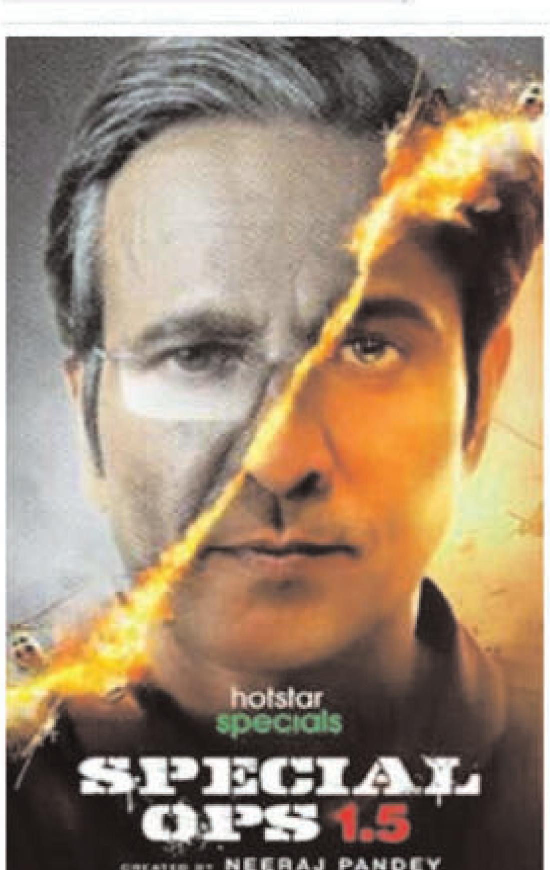

'स्पेशल ऑप्स 2' ही नहीं कई और सीरीज में दिखीं स्पाई स्टोरीज

हाल ही में केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का टीजर रिलीज हुआ, जल्द ही यह वेब सीरीज दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस स्पाई सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी सराहा था। इस सीरीज के अलावा भी स्पाई यानी जासूसों पर आधारित सीरीज बनी हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित सीरीज के बारे में।

क्राइम के अलावा जासूसी कहानियों पर बेस्ड सीरीज भी दर्शकों को काफी पसंद आती हैं। कई सीरीज की पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ जाती है कि इसके कई सीजन आते हैं। जल्द ही 'स्पेशल ऑप्स' के दूसरे सीजन का भी प्रीमियर होने वाला है।

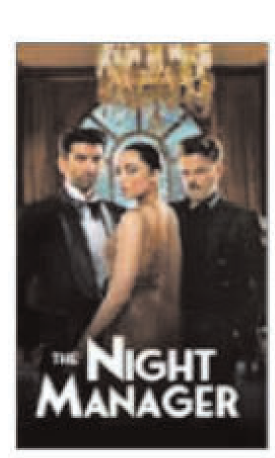

द नाइट मैनेजर

साल 2023 में 'द नाइट मैनेजर' नाम की एक वेब सीरीज रिलीज हुई। इसमें अनिल कपूर ने नेगेटिव रोल किया था और जासूस के रोल में आदित्य रॉय कपूर नजर आए। सीरियल में आदित्य रॉय कपूर एक पूर्व नौ सेना के ऑफिसर बने हैं, जो एक मिशन के लिए जासूस बनते हैं और विलेन के बुरे इरादों को नाकाम करते हैं। इस सीरीज को संदीप मोदी ने क्रिएट किया था।

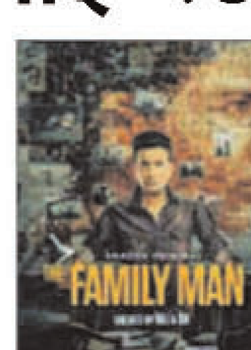

फैमिली मैन

राज एंड डीके की पॉपुलर वेब सीरीज 'फैमिली मैन' में मनोज वाजपेयी ने लीड रोल किया है। इस सीरीज के कई सीजन आ चुके हैं, पहला सीजन 2019 में आया था। इस सीरीज की कहानी में एक मिडिल क्लास आदमी का रोल मनोज वाजपेयी ने निभाया है। वह दुनिया की नजर में एक आम इंसान है लेकिन असल में वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक स्पेशल सेल में काम करता है। वह एक सीक्रेट एजेंट है, जो देश को आतंकवादियों से बचाने की कोशिश करता है। अपने काम के साथ-साथ उसे अपने परिवार का ध्यान भी रखना है साथ ही उनसे अपनी सीक्रेट एजेंट की पहचान भी छुपानी है।

बार्ड ऑफ ब्लड

साल 2019 में वेब सीरीज 'बार्ड ऑफ ब्लड' में इमरान हाशमी ने लीड रोल किया था। सीरीज में वह एक पूर्व रॉ एजेंट बने थे। जिसे फिर से एक मिशन पर जाना होता है। इस स्पाई सीरीज को रिभु दासगुप्ता ने निर्देशित किया था।

मुखबिर

इस सीरीज को शिवम नायर और जयप्रद देसाई ने डायरेक्ट किया था। यह सीरीज एक नॉवेल 'मिशन टू पाकिस्तान' पर आधारित थी। स्पाई जॉनर वाली इस सीरीज में जैन खान दुर्रानी, प्रकाश राज, आदिल हुसैन, बरखा बिष्ट जैसे कलाकार नजर आए थे।

द फ्रीलांसर

वेब सीरीज 'द फ्रीलांसर(2023)' में मोहित रैना ने लीड रोल निभाया था। इस सीरीज को भाव धूलिया ने निर्देशित किया। सीरीज की कहानी अविनाश नाम के एक एक्स पुलिस ऑफिसर की है, जो अब एक मिलिट्री फ्रीलांसर है। उसे सीरीया में जाकर आईएसआईएस की कैद से अपने दोस्त की बेटी को छुड़ाना है।

तनावमुक्त रहना है तो रोज करें वृक्षासन

वृक्षासन यानी पेड़ के समान। यह आसन करने से मनुष्य की आकृति पेड़ के समान हो जाती है। यही कारण है कि इसे वृक्षासन कहते हैं।

इस आसन से न सिर्फ शारीरिक रूप से हमें लाभ पहुंचाता है वरन इसके करने से हमें मानसिक सुकून भी मिलता है। जहां एक ओर वृक्षासन से हमारे शरीर के विभिन्न अंग विशेषों को लाभ पहुंचता है, वहीं दूसरी मानसिक तनाव को भी यह आसन दूर रखता है। कहने का मतलब यह कि मानसिक सुकून चाहिए तो वृक्षासन कीजिए। इसके बारे में विस्तार से जानिए।

इस आसन के लाभ

वृक्षासन के असंख्य लाभ है बशर्ते इसे नियमानुसार किया जाए। साथ ही इसकी सावधानियां भी बरती जाएं। योग विशेषज्ञों की मानें तो वृक्षासन सुबह उठकर किया जाए तो इसका हमें फायदा पहुंचता है। इसके नियमित करने से बेडौल शरीर सुडौल बनाता है। जिन्हें घुटने के दर्द की शिकायत है, वृक्षासन करने से उन्हें घुटनों के दर्द से मुक्ति मिलती है। यह आसन उन लोगों के लिए खासकर लाभकर है जिन्हें चलने का काम ज्यादा करना पड़ता है। मसलन यदि आप सेल्स पर्सन है या किसी कूरिअर कंपनी में काम करते हैं तो इस आसन को अवश्य करें। इसकी एक वजह यह है कि वृक्षासन हमारे पैरों को मजबूती प्रदान करता है।

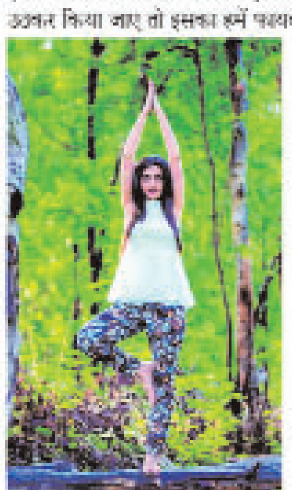

इतने में ही वृक्षासन की खूबी खत्म नहीं होती। नियमित वृक्षासन करने से हमारी एकाग्र क्षमता बढ़ती है। एकाग्र क्षमता जो कि हमारे याददाश्त की बेहतर होने की निशानी है। यह कहने की जरूरत नहीं है कि मौजूदा दौर में बेहतर कॅरिअर, बेहतर सम्बंध आदि के लिए बेहतर याददाश्त कितनी जरूरी है। यह आसन सिर्फ पुरुष करें, ऐसा जरूरी नहीं है। इस आसन में घर की महिलाएं और बच्चों को भी भाग लेना चाहिए।

वृक्षासन पैरों को मजबूत तो बनाता ही है। साथ ही यह स्नायुमण्डल का विकास कर पैरों को स्थिरता प्रदान करता है। यह कमर और कूल्हों के आसपास जमी अतिरिक्त चर्बी को हटाता है। मतलब यह है कि अगर आपका वजन ज्यादा है यानी आप मोटे हैं तो यह आसन आपको विशेष रूप से लाभ पहुंचा सकता है। चर्बी घटाने के बाद यह आसन शरीर को कमजोर नहीं करता वरन मजबूती देता है। अगर आप अपनी बढ़ती तोंद से परेशान हैं तो इस आसन को अवश्य करें।

कैसे करें यह आसन

सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों पैरों के बीच कुछ दूरी बनाकर खड़े रहें। फिर हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए सीधा कर हथेलियों को मिला दें।

अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए उसके तलवे को बाईं जांघ पर टिका दें। बाएं पैर पर संतुलन बनाते हुए हथेलियां, सिर और कंधे एक ही सीध में हो। जब तक सम्भव हो ऐसे रहें। कुछ देर बाद अन्य पैर से भी यह दोहराएं।

बरतें सावधानी

हमेशा यह ध्यान रखें कि आसन करने से पहले किसी विशेषज्ञ की राय अवश्य लें। यदि आप स्वयं वृक्षासन कर रहें हैं तो आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसकी एक वजह यह है कि अगर आप वृक्षासन सही से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि आसन को सकारात्मक असर की बजाय नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। इसे नियम, समय और सही तरीके का हमेशा ख्याल रखें। यूं तो वृक्षासन सबके लिए हितकर है। लेकिन यह जानना आवश्यक है कि वृक्षासन से किन लोगों को दूरी बनाए रखनी चाहिए। अगर आपको नींद से सम्बंधित कोई शिकायत है या अनिद्रा का रोग है तो इस आसन को न करें। सिरदर्द भी इसे न करने की एक ठोस वजह है। नियमित सिरदर्द की शिकायत वालों को यह आसन तनावमुक्त करने की बजाय तनाव से भर देगा। ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी वृक्षासन नहीं करना चाहिए।

एंटीबायोटिक दवाएं खो रहीं अपना असर

बीमारी से जल्द ठीक होने के लिए लोग एंटीबायोटिक्स दवाओं का इस्तेमाल धड़ल्ले से करते हैं। लेकिन अब एंटीबायोटिक दवाओं के असर को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आज के समय में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एक नई समस्या के रूप में उभर रहा है। एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस वह स्थिति है जिसमें कोई बैक्टीरिया एंटीबायोटिक दवा के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर लेता है।

मोटापा कमजोर कर सकता है बच्चों की हड्डियां

एक नए अध्ययन से पता चला है कि मोटापा बच्चों की मांसपेशियों के साथ ही हड्डियों को भी कमजोर करता है। अध्ययन के अनुसार, मोटापे से जुड़ा एक्स्ट्रा फैट मांसपेशियों में जमा हो जाता है और यही फैट बच्चों की हड्डियों की कम वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। इन स्थितियों से निपटने के लिए बच्चों को उचित आहार और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करना चाहिए।

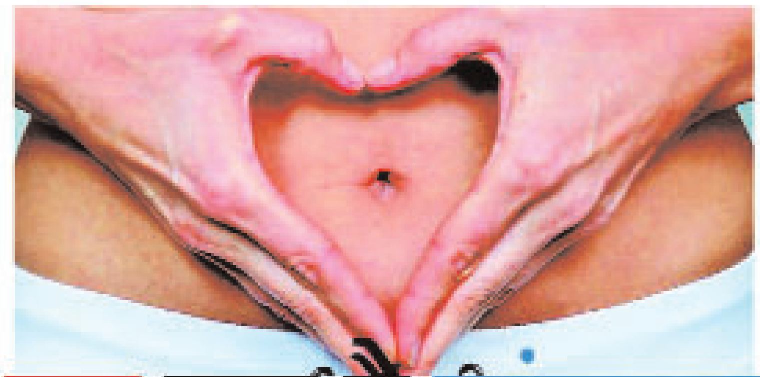

बढ़ रहा है बांझपन

आजकल बदलती जीवनशैली ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं बहुत सी समस्याओं को भी जन्म दिया है। ऐसी ही समस्याओं की सूची में से एक है इन्फर्टिलिटी। हालांकि इन्फर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है। खान-पान ,नौकरियों और रहन सहन में आये बदलाव ने जहां जीवन का स्तर बदला है, वहीं कहीं ना कहीं हमारी समस्याएं भी बढ़ाई है।

शारीरिक समस्याओं का सामना

मीडिया, काल सेंटर जैसी नौकरियों में समय की कोई बाध्यता ना होने के कारण व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय से ना सोने और जागने से अनिद्रा, डिप्रेशन जैसी समस्याएं होना बहुत ही आम है। इन्हीं समस्याओं की सूची में से एक है 'इन्फर्टिलिटी'। हालांकि इन्फर्टिलिटी जैसी समस्या पर लोगों का ध्यान भी अधिक समय बाद जाता है जिससे कि यह समस्या और जटिल हो जाती है।

शहरी वातावरण में बढ़ते प्रदूषण और टॉक्सिन ने 15 से 18 प्रतिशत इन्फर्टिलिटी के मामले बढ़ा दिए हैं। जीवनशैली में बदलाव और खानपान की गलत आदतें भी अप्रत्यक्ष रूप से इन्फर्टिलिटी की जिम्मेदार हैं। पेस्टिसाइड और प्लास्टिक का खानपान के दौरान हमारी फूड चेन में आना हार्मोन के स्तर को प्रभावित करता है। यूनिवर्सिटी आफ नार्थ कैरोलिना, चैपल हिल के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाया है कि वो महिलाएं जो नाइट शिफ्ट में काम करती हैं उनमें समय से पहले प्रसव की सम्भावना रहती है। बढ़ती इन्फर्टिलिटी के कुछ प्रमुख कारण हैं

अधिक उम्र में विवाह

आज तरक्की और सफलता की चाह में पुरुष और महिला कम उम्र में विवाह नहीं करना चाहते। विवाह के अधिक उम्र में होने पर बच्चे के बारे में सोचने में भी उन्हें समय लग जाता है। महिलाएं भी आज ज्यादा आत्मनिर्भर होने लगी हैं और वो कम उम्र में बच्चा नहीं चाहतीं। अधिक उम्र में विवाह होने से स्त्रियों में ओवम की क्वालिटी प्रभावित होती है और इन्हीं कारणों से उनमें इन्फर्टिलिटी की सम्भावना भी बढ़ जाती है। दूसरे कारण जो आजकल अधिकांश स्त्रियों में पाये जा रहे हैं वो हैं फाइब्रायड का बनना, एन्डोमेट्रियम से सम्बन्धी समस्याएं। उम्र के बढ़ने के कारण हाइपरटेंशन जैसी दूसरी समस्याएं भी आ जाती हैं और इनके कारण महिलाओं में फर्टिलिटी प्रभावित होती है।

काम का दबाव

काम के दबाव के कारण व्यायाम का समय निकालना हर किसी के लिए बहुत मुश्किल होता है। काल सेन्टर और मीडिया की नौकरी में समय की बाध्यता ना होने के कारण काम का दबाव और प्रतियोगिता भी दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इन कारणों से पूरी नींद ना सो पाना भी बहुत से लोगों में आम है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश बन्सल का कहना है कि आज हमारे जीवन में रिलेक्सेशन से ज्यादा जरूरी हो गयी है हमारी तरक्की और इसी कारण से हमारा ध्यान घर से ज्यादा ऑफिस के कामों में लगा रहता है। अधिक समय तक काम करने के बाद ऑफिस से थककर घर आने के बाद अधिकतर कपल्स में सेक्स की इच्छा में भी कमी हो जाती है।

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड का इस्तेमाल

धूम्रपान , कोकीन और स्टेरायड के इस्तेमाल से सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है। धूम्रपान से स्पर्म की गिनती और गतिशीलता कम होती है और यह होने वाले बच्चे में आनुवंशिक तौर पर बदलाव भी कर सकता है। इसी प्रकार से अल्कोहल भी टेस्टोस्टेरोन के उत्पादन को कम करता है। किसी प्रकार की दवाओं या ड्रग्स के गलत तरीके से इस्तेमाल के कारण भी इन्फर्टिलिटी हो सकती है। स्टेरायड जैसे हार्मोन हमारे शरीर के हार्मोन के स्तर में बदलाव लाते हैं जो कि हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। बीमारी होने पर भी चिकित्सक की सलाहानुसार ही दवाएं लेनी चाहिए। हम कह सकते है कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है और बहुत सी बीमारियों के उपचार भी ढूंढ निकाले हैं लेकिन इनफर्टिलिटी जैसी समस्या से निदान पाना कई स्थितियों में बहुत मुश्किल हो जाता है और कभी कभी नामुमकिन। इनफर्टिलिटी के बहुत से कारक हो सकते हैं, लेकिन ऐसी समस्या पर समय पर ध्यान देकर आप मातृत्व और पैतृत्व का सुख उठा सकते हैं अधिक उम्र में विवाह होने पर चिकित्सक का परामर्श लें। अगर आप विवाह के तुरंत बाद बच्चा नहीं चाहते, तो भी चिकित्सक से सम्पर्क करें।

- शराब, सिगरेट, कोकीन जैसे मादक पदार्थों से दूर रहें।
- अस्वस्थ सेक्सुअल आदतों से बचें।
- स्वस्थ आहार लें और ऑफिस के बाद सैर पर जाएं या प्रतिदिन व्यायाम के लिए कुछ समय जरूर निकालें।

स्वास्थ्य समस्याएं

हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं जिन्हें कि बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था। आज यह युवाओं में भी बहुत आम हो गयी है और इनका प्रभाव व्यक्ति की सेक्सुअल लाइफ पर भी पड़ता है। हेड आफ गायनाकालाजिस्ट डिपार्टमेंट मिसेज दिनेश बन्सल जीवनशैली में बदलाव को इन्फर्टिलिटी का कारक मानती हैं। डायबिटीज, पी सी ओ डी (पालीसिस्टमिक ओवेरियन डिसीज) के कारण महिलाओं में बहुत सी बीमारियां आम हो गयी हैं। 60 से 70 प्रतिशत महिलाओं में ओवुलेशन की क्रिया ही नहीं होती।

वजन का बढ़ना और व्यायाम की कमी के कारण भी सही मात्रा में हार्मोन नहीं बन पाते। बचपन से ही लोगों में कंप्यूटर और लैपटाप पर बैठना आम है और यह कारण भी कहीं ना कहीं इन्फर्टिलिटी के जिम्मेदार होते हैं।

क्या है सर्दियों में जोड़ों के दर्द का तोड़

जोड़ों का दर्द यानी ज्वाइंट पेन की समस्या आजकल आम होती जा रही है। इस समस्या से परेशान लोगों की मुश्किलें सर्दी के मौसम में और भी बढ़ जाती हैं। पढ़ें ऐसे लोगों के लिए क्या-क्या सावधानियां जरूरी हैं।

अमूमन देखा गया है कि सर्दियों में जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जो लोग पहले से ही इस समस्या से गुजर रहे होते हैं या कहें कि आर्थराइटिस या गठिया के मरीजों में अक्सर ठंड के मौसम में यह समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में हमारी रक्त नलिकाएं संकुचित हो जाती हैं, इसलिए जोड़ों का दर्द बढ़ा हुआ जान पड़ता है।

हालांकि इससे कोई नई समस्या पैदा नहीं होती। जिन लोगों में ऐसी कोई समस्या पहले से ही होती है, लेकिन वे इसकी जांच नहीं कराते और इसे दरकिनार करते रहते हैं, उन्हें ठंड के मौसम में ज्यादा परेशानी होने लगती है। इसके अलावा इस मौसम में अधिक उम्र के लोगों, खासकर जिन्होंने पहले घुटने का रिप्लेसमेंट करवाया हो, को जानकारी के अभाव में इस दर्द से दो-चार होना पड़ता है।

ऐसे पहचानें

अगर रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो रही हो, 10 से 15 मिनट चलने के बाद दर्द शुरू हो जाता हो, घुटनों के आसपास सूजन आ रही है तो समझ लें कि जोड़ों की समस्या है। तुरंत डॉक्टरी सलाह लें।

क्या हैं कारण

आज की तनाव भरी जीवनशैली, सूरज की किरणें न मिल पाना, खाने-पीने में कैल्शियम की प्रचुर मात्रा न होना, नियमित रूप से व्यायाम न करना और शरीर को आवश्यक विटामिन डी-3 उपलब्ध न करा पाना आदि सामान्यतः जोड़ों में दर्द की समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं। हालांकि कई बार यूरिन की परेशानी भी इसका कारण हो सकती है। महिलाओं में हार्मोनल डिस्बैलेंस, मासिक धर्म, मेनोपॉज और तनाव इसका बड़ा कारण माने जाते हैं।

जांच है आसान

एक्सरे, एमआरआई और रक्त की जांच से इसके वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सकता है।

क्या करें

- जोड़ों को खुली हवा से बचा कर रखें। गर्म या ऊनी कपड़े पहने रहें।
- नियमित रूप से व्यायाम करना न भूलें। व्यायाम से शरीर में रक्त का संचार व्यवस्थित होता है, जिससे शरीर का तापमान संतुलित रखने में मदद मिलती है।
- खाने में कैल्शियम, प्रोटीन्स और मिनरल्स प्रचुर मात्रा में शामिल करें।

समस्या को पहचानें

ज्वाइंट पेन का मतलब आर्थराइटिस नहीं होता। 35 साल की उम्र के बाद जोड़ों की समस्या होना सामान्य है। नी-पेन मांसपेशियों के कमजोर होने की वजह से भी हो सकता है।

क्या करें

- दर्द बढ़ता जा रहा हो तो फौरन ऑर्थोपेडिक्स की सलाह लें। हालांकि फिजियोथेरेपिस्ट भी एक्सरे और एमआरआई देख कर दर्द का कारण समझ लेते हैं।
- यदि गठिया की समस्या नजर आती है तो हड्डी विशेषज्ञ उसका सही इलाज करते हैं। फिजियोथेरेपिस्ट से सही तरह से व्यायाम करने की जानकारी लेना जरूरी हो जाता है।
- फिजियोथेरेपिस्ट व्यायाम के जरिए आपकी मांसपेशियों की स्टिफनेस को दूर करते हैं और कमजोर हो रही मांसपेशियों को व्यायाम के जरिए मजबूत बनाए रखते हैं

हल्की सर्दी में काम के हैं पोंचू...

किसी जमाने में दादी-नानी के हाथों में क्रोशिया की सिलाई देखी जाती थी और घरों में क्रोशिया से बुने हुए तकिए के कवर, रुमाल, शो पीस और अन्य सामान आसानी से देखे जाते थे। बदलते वक्त और भागदौड़ की व्यस्त जिंदगी में घरों और बाजारों में क्रोशिया की बुनी हुई चीजें गायब होती चली गईं। बाजार में अब क्रोशिया से बने वेस्टर्न और इंडियन आउटफिट का बोलबाला शुरू हुआ है, जिसमें फैशन डिजाइनर नए-नए फ्यूजन के साथ कपड़ों को तैयार कर रहे हैं। इन्हें पहनने से आप आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही फैशन में एक नयापन भी आया है। आज हम आपके सामने क्रोशिया , सिल्क, वूलन आदि से बने पोंचू लेकर आए है जिन्हें आप सर्दियों के मौसम में भी पहन सकती हैं। दिन की गरम धूप हो या शाम की हल्की सर्दी, ऐसे समय में आपको सेफ रखते हैं पोंचू। इन्हें आप किसी भी ड्रेस के ऊपर पहन सकती हैं। आपकी सिंपल ड्रेस भी पोंचू से खूबसूरत बन जाती है। चलिए आज आप को बताते हैं पोंचू के भी कई वैरायटीज हैं जिसको लेकर आप एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

क्रोशिया से बने पोंचू

क्रोशिया से बने पोंचू को गर्मी और सर्दी दोनो मौसम में पहना जा सकता है। गर्मियों में धागों से बने पोंचू और सर्दियों में ऊनी पोंचू पहने जाते हैं। इसे गर्मियों में बोरिंग ड्रेस को ग्लैमरस लुक देने और धूप से बचने के पहना जाता है।

निटेड पोंचू

जहां क्रोशे पोंचू गर्मियों के लिए उचित हैं वहीं निटेड पोंचू आपको ठंड से सुरक्षा देते हैं। ये आपको ट्रेंडी और वार्म लुक देते हैं।

एम्ब्रॉयडेड पोंचू

ये ट्रेडिशनल पोंचू हैं जो कई वैरायटी और पैटर्न व स्टाइल में मिलते हैं। ये बहुत एलेगेंट फैब्रिक में आते हैं।

सिल्क पोंचू

सिल्क पोंचू वजन में हल्के होते हैं जिन्हें आप बतौर एक्सेसरी पहन सकते हैं जो आपके पहनावे को नया लुक देते है।

वूलन फैब्रिक पोंचू

वूलन फैब्रिक पोंचू सर्दियों से बचाव के लिए हैं। इन्हें ऊन से बुना नहीं जाता बल्कि वार्म वूलन फैब्रिक से बनाया जाता है। इनकी गर्माहट इनके फैब्रिक पर डिपेंड करती है। हुडेड और टर्टलनेक पोंचू विद हुड जैसे ज्यादातर पोंचू बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।

तनाव घटाने के लिए लोग करते है कुछ ऐसा

आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। पर दक्षिण कोरिया में आजकल लोग तनाव को भगाने के लिए मरने के बाद की लाइफ में जाना चाहते हैं। और ऐसा महसूस कराने के लिए बाकायदा कंपनियां भी हैं, जो ये काम कर रही हैं। जी हां, दक्षिण कोरिया में लोग 10 मिनट ताबूत में रहते हैं। मरने के बाद की जिंदगी को लेकर धर्मगुरुओं से ज्ञान भी लेते हैं। ताकि वो तनाव को भगा सकें। हैरानी की बात है कि ऐसा करने वाले बाद में कहते हैं कि उन्हें ऐसा करके अच्छा लगा। चोंग सोंग सो(67) नाम की महिला ने कहा कि 10 मिनिट मरने के बाद की जिंदगी बिताकर मुझमें नया उत्साह आ गया है। ऐसा लगता है कि मुझे नई जिंदगी मिली है। और मैं नई शुरुआत कर सकती हूं। कोरिया में तनाव घटाने के लिए लोग करते हैं मरने के बाद की जिंदगी का अहसास। सोचिए, आप तनाव महसूस कर रहे हैं। तो आप क्या करना चाहेंगे। जाहिर तौर पर म्यूजिक सुनना चाहेंगे या चहलकदमी करना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि मेरी मां मुझसे बहुत प्यार करती थी, वो कम उम्र में ही चली गई। वो बहुत खूबसूरत थी। दक्षिण कोरिया में मॉक फ्यूनरल मतलब मरने के बाद के अंतिम संस्कार का अभ्यास अब नया ट्रेंड बनता जा रहा है। ऐसा कराने के लिए तमाम कंपनियां भी मैदान में उतर चुकी हैं। और अब ये बड़ा बिजनेस बन चुका है।

रेसिपी

पालक मेथी ना मुठीया

सामग्री

2 कप बारीक कटी हुई पालक, 1 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, नमक स्वादअनुसार, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 4 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून सूजी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 चुटकी बेकिंग सोडा, 1/2 टी-स्पून शक्कर, 2 1/4 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 1/4 टी-स्पून हींग

विधि

पालक, मेथी और थोड़े नमक को एक प्लेट में डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगभग 5 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। सारा पानी निचोड़कर पालक और मेथी को एक बाउल में रख दें। अदरक हरी मिर्च का पेस्ट, गेहूं का आटा, बेसन, सूजी, जीरा, बेकिंग सोडा, शक्कर, नमक और 1 टी-स्पून तेल डालकर, बहुत ही नरम आटा गूथ लें। अपने हाथों में 1/4 टी-स्पून तेल लगाकर आटे को 4 बराबर भाग में बांट लें। प्रत्येक भाग को लगभग 150 मिमी के लंबे और 25 मिमी व्यास के गोल आकार में रोल कर लें। रोल्स को तेल से चुपड़ी छन्नी में रखकर, स्टीमर में 20 25 मिनट के लिए स्टीम कर लें। निकालकर हल्का ठंडा कर लें और 12 मिमी के स्लाइस में काटकर एक तरफ रख दें। तड़के के लिए, एक गहरे पैन में बचे हुए 1 टी-स्पून तेल को गरम करें और सरसों और तिल डालें। जब बीज चटकने लगें, हींग डालकर 15 सेकन्ड के लिए भून लें। स्लाईस्ड मुठीया डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए या हल्का सुनहरा होने तक भून लें। हरी चटनी के साथ गरमा गरम परोसें।

पोहा ढोकला

सामग्री

1/2 कप जाड़ा पोहा, 1/2 कप सूजी,1 कप दही, 1 टी-स्पून हरी मिर्च की पेस्ट, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, एक चुटकी हिंग, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, परोसने के लिए, ग्रीन चटनी

विधि

दही और 1 कप पानी को गहरे बाउल में डालकर अच्छे से मिलाइए। अब उसमें सूजी, जाड़ा पोहा, हरी मिर्च की पेस्ट और नमक डालकर अच्छे से मिलाइए और 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दिजिए। ढोकला बनाने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट और 2 टी-स्पून पानी ऊपर से डालिए। जब बुलबुले आना शुरु हो, तब मिश्रण को धीरे से मिलाइए। अब 175 mm व्यास की चुपड़ी हुई थाली में मिश्रण डालकर उसे एकसमान फैलाइए। अब स्टिमर में 10 से 12 मिनट या ढोकला पकने तक स्टिम करें और एक तरफ रख दीजिए। एक छोटा पैन में तेल गरम करें और उसमें सरसों डालें। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमें हिंग डालिए। मध्यम आंच पर कुछ सेकंड भूनिए और इस तड़के को ढोकले के ऊपर फैलाइए। थोड़ा ठंडा होने के लिए एक तरफ रखिए और चौकोर आकार में समान काटकर उसपर धनिया डालकर सजाइए।

पुलिस ने इनामी आरोपी को किया गिरफ्तार, जिला पुलिस अधीक्षक ने इनाम किया था घोषित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिले की दिहौली थाना पुलिस कार्यवाही करते हुए विभिन्न मामले में फरार चल रहे एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। कार्यवाही को लेकर दिहौली थाना प्रभारी परमजीत पटेल ने बताया कि जरिये मुखविर से सूचना प्राप्त हुई कि जैतपुर घाट से चम्बल नदी घडियाल प्रतिबंधित क्षेत्र से चार-पांच ट्रैक्टर रेता भरकर ला रहे है। उक्त सूचना पर कार्यवाही हेतु राकेश कुमार हैड कानि को मय जाप्ता रवाना किया था पुलिस पार्टी द्वारा माधोपुरा चौराहे के पास नाकाबंदी प्रारम्भ की गई तो चार-पांच ट्रैक्टर आते दिखाई दिये जिन्हे रुकवाने की कोशिश की परन्तु ट्रैक्टरों के चालक ट्रैक्टर को भगाकर गांव सांवलियापुरा की ओर ले गये जिनको पीछा पुलिस पार्टी द्वारा किया गया तो ट्रैक्टर चालकों द्वारा गांवं सावलियापुरा पहुँचकर गांव के लोगो को इकठ्ठा कर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से ईट पत्थर व लाठी डण्डों से हमला कर दिया तथा ट्रैक्टर को भगाकर ले जाने में सफल रहे। घटना के सम्बंध में थाना राजाखेडा पर राकेश कुमार हैड कानि 237 द्वारा थाना राजाखेडा थाना पर मामला दर्ज कराया गया था। प्रकरण में वक्त घटना से फरार आरोपी नेपाली उर्फ नेपाल सिंह पुत्र रनवीर सिंह गुर्जर निवासी सामलिया का पुरा थाना राजाखेड़ा की तलाश की जा रही थी। आरोपी की गिरफतारी पर एसपी धौलपुर के द्वारा 10,000 रुपये का ईनाम घोषित किया गया था।

फुलेरा में युवक व दो नाबालिगों का अपहरण, तीन आरोपी 4 घंटे में गिरफ्तार

एक युवक दस्तयाब, दो नाबालिग सकुशल घर लौटे

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) फुलेरा थाना क्षेत्र में तीन युवकों के अपहरण की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र चार घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक अपहृत युवक अजय कुमार वर्मा (19) को सकुशल दस्तयाब किया गया, जबकि दो नाबालिगों को आरोपी रास्ते में छोड़कर फरार हो गए। दोनों बालक बाद में सकुशल अपने घर पहुंच गए। अभियान का नेतृत्व थानाधिकारी फुलेरा श्रवण कुमार ने किया। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां के निर्देशन व वृत्ताधिकारी सांभरलेक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में की गई। पुलिस ने अपहरण में प्रयुक्त कैम्पर गाड़ी 47 जीए 6914 को भी जब्त किया। गिरफ्तार आरोपी - छोटु जाट, अशोक गुर्जर व राकेश गुर्जर - सभी ढाणी बोराज, थाना जोबनेर निवासी हैं। तीन अन्य आरोपी बाबूलाल स्वामी, राजू जाट व राकेश जाट फरार हैं। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और मामले की जांच चल रही है।

दानपात्र में निकली 91 हजार की राशि

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। विंध्यवासिनी शक्तिपीठ संस्थान की बैठक छीतर लाल कुम्हार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें विकास संबंधी प्रस्ताव लिए गए।साथ ही विंध्यवासिनी माताजी के प्राकट्य दिवस 1 जून एवं भैरवनाथ जी के प्राकट्य दिवस 5 जून को विशेष पूजा-अर्चना किए जाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर दानपात्र भी खोला गया। कोषाध्यक्ष शक्ति नारायण शर्मा ने बताया कि दानपात्र से 91हजार 850 रुपए की राशि प्राप्त हुई। जिसका उपयोग संस्थान के विकास कार्य में किया जाएगा। गोपाल मेवाड़ा, बालमुकुंद गौड, गोपाल सोनी, कैलाश गौड, मोहन धाबाई, मोहन मालवीय, मुकेश तिवाड़ी, कैलाश तिवाड़ी, कपिल सोनी, जीतू नायक, बाबूनायक, सुनील विजय व नाथू अहीर मौजूद रहे।

नगर निगम ग्रेटर की सख्तीः अस्थाई अतिक्रमण हटाया, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (कासं.)। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की सतर्कता शाखा ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार और उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। टीम ने वैशाली नगर सौरभ टावर, पत्रकार कॉलोनी धोलाई सर्किल, सूरज मैदान राजापार्क, मालवीय नगर शिवानन्द मार्ग और बजाज नगर क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाया। इस दौरान 3 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूला गया और 2 केन्टर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भेजा गया। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि अतिक्रमण करने वालों को मौके पर समझाइश दी गई और मौखिक रूप से पाबंद किया गया कि भविष्य में समय रहते अतिक्रमण हटा लें। अन्यथा उनके विरुद्ध भारी चालान या सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम ग्रेटर की यह मुहिम शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने की दिशा में एक सख्त कदम मानी जा रही है। निगम ने साफ किया है कि शहर में अवैध कब्जों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बागावास अहिरान में ज्ञान का नया सूरजः श्री बालाजी लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन

श्री श्री 1008 श्री ओंकारदास जी महाराज ने किया फीता काटकर उद्घाटन, शिक्षाविदों ने शिक्षा के महत्व पर रखे विचार

जयपुर टाइम्स

पावटा(निसं.)। शिक्षा और आत्मनिर्भरता की ओर एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए ग्राम बागावास अहिरान में श्री बालाजी लाइब्रेरी का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर ग्रामवासियों में विशेष उत्साह और उल्लास देखा गया। गांव के इतिहास में यह दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा, जब ज्ञान की एक नई अलख जगी। लाइब्रेरी का उद्घाटन श्री श्री 1008 श्री ओंकारदास जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। उन्होंने विधिवत रूप से फीता काटकर पुस्तकालय के द्वार खोले और दीप प्रज्वलित कर मंगल आरंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "पुस्तकें आत्मा की खुराक होती हैं, और जहां पुस्तकालय होते हैं वहां संस्कार और सभ्यता की जड़ें मजबूत होती हैं।इस अवसर पर शिक्षा जगत की प्रमुख हस्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षाविद नाथूराम मोटन ने कहा कि "गांवों को यदि आत्मनिर्भर बनाना है, तो युवाओं को शिक्षा के संसाधन गांव में ही उपलब्ध कराने होंगे, और यह लाइब्रेरी उसी दिशा में एक प्रेरणास्पद कदम है।पूरणमल कुम्हार ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बताते हुए कहा कि "शिक्षित समाज ही सशक्त समाज बन सकता है। वहीं पांचुराम कुम्हार ने बच्चों को लाइब्रेरी से जुड़ने और अध्ययन को दैनिक आदत बनाने का आह्वान किया। लाइब्रेरी संचालक राजेश कुम्हार ने ग्रामीण युवाओं से आह्वान किया कि वे पुस्तकालय का अधिक से अधिक लाभ लें और शिक्षा को अपनी पहली प्राथमिकता बनाएं।उन्होंने कहा कि 'यह पुस्तकालय आप सबका है आइए, पढ़िए और अपने सपनों को साकार कीजिए।लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी किताबों का संग्रह, सामान्य ज्ञान, साहित्य, समाचार पत्र, डिजिटल संसाधन और शांत वातावरण उपलब्ध कराया गया है। ग्रामीण युवा, विद्यार्थी और महिलाएं भी इससे लाभान्वित होंगी।समारोह में अनेक लीलाराम कुम्हार, गैंदालाल सैन, नितिन लखेरा,महेंद्र कुम्हार,मनोज कुम्हार, गोपाल कुमावत, कालू प्रधान, अशोक मीणा,राजेश गर्ग,काकू गर्ग, रामकरण पीटीआई, राकेश शेखावत, मुनेश मीणा, बिट्टू जांगिड़, अभय सिंह शेखावत, संतोष कुम्हार, हनुमान सहाय योगी, पारूराम गौड,बबलू मिश्रा, जितेंद्र सिंह शेखावत सहित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात सभी आगंतुकों को प्रसाद व जलपान कराया गया तथा आयोजकों का सम्मानपूर्वक धन्यवाद किया गया।गांव में इस तरह की शैक्षणिक पहल से लोग अत्यंत गदगद हैं और युवाओं में आशा की एक नई किरण जगी है। श्री बालाजी लाइब्रेरी अब बागावास अहिरान की नई पहचान बन गई है।

धौलपुर में जनसेवाओं की समग्र समीक्षा, पेयजल-विद्युत-स्वास्थ्य व्यवस्था पर जिला कलक्टर ने दिए सख्त निर्देश

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जनसेवाओं को सतत और सुचारु बनाए रखने के लिए जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में विद्युत, पेयजल, स्वास्थ्य, शहरी स्वच्छता, चिकित्सा, बजट घोषणाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने विशेष रूप से गर्मी को देखते हुए पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कही। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को पेयजल आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर परिषद को मानसून से पूर्व सभी नालों की सफाई अभियान शुरू करने के निर्देश भी दिए गए ताकि शहर जलभराव से मुक्त रह सके। विद्युत निगम को उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण, ढीले विद्युत तारों को ठीक करने तथा मौसम जनित बाधाओं को शीघ्र सुधारने हेतु टीम बनाकर कार्य करने को कहा गया। साथ ही अवैध बिजली कनेक्शनों के खिलाफ अभियान चलाने और नए कनेक्शनों की समय पर स्वीकृति के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य विभाग को हीटवेव के दृष्टिगत सभी चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक दवाओं, उपकरणों एवं स्टाफ की पर्याप्त व्यवस्था करने, और अवैध क्लिनिक एवं झोलाछाप डॉक्टरों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं एवं बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा कर उन्हें समयबद्ध धरातल पर उतारना सभी विभाग प्रमुखों की जिम्मेदारी है। सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के समयसीमा में निस्तारण पर भी विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करते हुए जन समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता पर लें। समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, एडीएम हरिराम मीना, एसडीएम साधना शर्मा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ हुआ मुनिश्री वर्धमान सागर जी का मंगल प्रवेश

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। कस्बे में दिगंबर जैन आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ का 27 वर्ष बाद बड़े हर्षोल्लास के साथ मंगल प्रवेश हुआ। धाकड़ विद्यापीठ से प्रारंभ हुआ जुलूस तेजाजी चौक ,सब्जी मंडी, बड़ा दरवाजा और बड़े दिगंबर जैन मंदिर होता हुआ पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र पहुंचा। कस्बे में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए और सकल दिगंबर जैन समाज के लोगों ने पाद प्रक्षालन कर मुनि संघ की अगवानी की। जुलूस के दौरान महिलाएं व युवक धार्मिक भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। पाठशाला के बालकों का बैंड वादन भी आकर्षक का केंद्र रहा। बड़े दिगंबर जैन मंदिर कमेटी द्वारा भी मुनि संघ का पद प्रक्षालन किया गया।दिगंबर जैन आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने बड़े मंदिर में 29 से 31 मई तक होने वाली वेदी प्रतिष्ठा की वेदियों का अवलोकन किया। जुलूस के दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र पर पहुंचने पर तीर्थ क्षेत्र कमेटी द्वारा अगवानी की गई। इससे पूर्व सोमवार रात्रि को कस्बे में भगवान के माता-पिता की बिंदोरी निकाली गई।

प्रतिभाशाली बच्चों का गोपीनाथ मंदिर सेवा समिति द्वारा सम्मानित किया

जी वी एम स्कूल चाकसू ने टॉपर्स छात्राओं का विजय जुलूस निकाला

जयपुर टाइम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू कस्बे की बहू प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान जी वी एम सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाईपास पर कक्षा 12 वी बोर्ड विज्ञान संकाय में चाकसू टॉपर रहने वाले विद्यालय के छात्र छात्राओं का विजय जुलूस निकाला गया । विजय जुलूस को गोस्वामी विद्या मंदिर शिक्षा समिति के अध्यक्ष गोपाल लाल गोस्वामी ने गणेश पुरी बगीची चाकसू से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं विजय जुलूस कोटखावदा मोड़, मुख्य बाजार, सब्जी मण्डी, फागी मोड़ होते हुए गोपीनाथ मंदिर पहुँचा। गोस्वामी इंग्लिश मीडियम स्कूल के डायरेक्टर आशीष गोस्वामी ने बताया कि गोपीनाथ मंदिर सेवा समिति के द्वारा टॉपर रहे विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मण्डी चेयरमैन कैलाश शर्मा द्वारा चाकसू टॉपर्स अक्षिता खांडल 98.60 प्रतिशत, भूमिका शर्मा 96 प्रतिशत, हर्षित लमोरिया 93.60 प्रतिशत, विवेक सैनी 93.40 प्रतिशत, समिक्षा पारीक 91.20 प्रतिशत सहित सभी प्रतिभावान विद्यार्थीयों को माला व स्मृति चिन्ह देकर उन्हे सम्मानित किया। पूर्व मण्डी चेयरमैन कैलाश शर्मा ने विज्ञान संकाय में ऐतिहासिक परिणाम देने पर जयपुर जिले में चाकसू का नाम रोशन करने पर विद्यार्थियों, परिजनों व गोस्वामी विद्या मंदिर अंग्रेजी माध्यम का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष चाकसू कृष्णा सैनी, भाजपा नेता अंबालाल यादव, रामधन मोड़ा, सीबीईओ प्रकाश मीणा, पूर्व सीबीईओ हनुमान मीणा, नोडल प्रभारी रामलाल मीणा, गोपीनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, महामंत्री रामप्रकाश शर्मा , मानसिंह कादेड़ा एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ व अभिभावक उपस्थित रहे।

श्री बिहारी जी के मंदिर में चल रही भागवत कथा का समापन हुआ

चाकसू (निसं.)।चाकसू कस्बे में श्री बिहारी जी के मंदिर में पाटोत्सव के उपलक्ष पर चल रही भागवत कथा के समापन मंगलवार को हुआ। समापन दिवस पर कथा वाचक राजेंद्र दास महाराज ने बताया कि भगवान भाव के भूखे हैं अगर मनुष्य का भगवान के प्रति लगाव है प्रेम है स्नेह है तो ईश्वर भक्त की तरफ आकर्षित होते हैं व अपनी अपार कृपा बरसाते हैं राधा रानी के भजन सुनकर महिलाओं और पुरुषों ने बिहारी जी के समक्ष अपनी हाजिरी लगाई। श्रोता भजन सुनकर झूम उठे, कथावाचक राजेंद्र दास महाराज कथा पुण्यार्जक राजेंद्र शर्मा का सपत्निक सनाढ्य ब्राह्मण समाज बंधुओ ने अध्यक्ष कैलाश शर्मा माधोसिंहपुरा के सानिध्य में माल्यार्पण कर भगवान श्री बिहारी की तस्वीर देकर स्वागत सम्मान किया। भागवत कथा कार्यक्रम में साधु संतो सहित भारी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग युवाओं ने कथा का श्रवण किया।

उद्योगों को बढ़ावा देने नीति कार्यशाला, नवाचार और निवेश पर मंथन

धौलपुर में निवेश और रोजगार के नए द्वार खोलने को जिला कार्यशाला सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राज्य सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से लागू की गई नवीन औद्योगिक नीतियों के प्रचार-प्रसार हेतु मंगलवार को भार्गव वटिका में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र द्वारा डिस्ट्रिक्ट वर्कशॉप पॉलिसीज के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसमें 125 से अधिक उद्यमियों, निवेशकों एवं नीति से जुड़े हितधारकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे जिला महाप्रबंधक श्री मितुल गोयल ने उद्यमियों को राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं योजनाओं एक जिला एक उत्पाद नीति, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024, राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024, क्लस्टर नीति, लॉजिस्टिक नीति, डाटा सेंटर नीति सहित केंद्र सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना और डॉ. भीमराव अंबेडकर दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना की विस्तृत जानकारी दी। उद्योग क्षेत्र में भूमि आवंटन और प्रक्रियागत सुधारों पर रीको धौलपुर के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक श्री पिन्टेश मीना ने ई-ऑक्शन एवं प्रत्यक्ष आवंटन योजना की जानकारी साझा की, साथ ही रीको के नवीनतम नियमों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम में उद्योग संघ अध्यक्ष राजीव मित्तल, स्टोन पॉलिशर्स एसोसिएशन बाड़ी के अध्यक्ष मुन्नालाल मंगल, लघु उद्योग भारती के जिला उपाध्यक्ष विमल भार्गव, सीए प्रतिनिधि तथा अनेक उद्यमी, नवप्रवर्तनकर्ता और व्यापार जगत से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों के साथ नीति संबंधित संवाद, विचार-विमर्श और सुझावों का आदान-प्रदान भी किया गया, जिससे जिला स्तर पर औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की संभावनाएं और मजबूत हुई।

ममता गुर्जर निर्विरोध वार्ड पंच निर्वाचित

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निसं.)। पंचायत समिति सांभरलेक की ग्राम पंचायत शार्दुलपुरा के वार्ड नं.1 बाघपुरा में वार्ड पंच के चुनाव में ममता देवी गुर्जर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि वार्ड नं 1 में वार्ड पंच लाली देवी के निधन के कारण उप चुनाव हुआ। इस दौरान केवल एक ही नामांकन दाखिल होने से ममता गुर्जर पत्नी ओमप्रकाश गुर्जर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। काबिले गौर है कि ममता गुर्जर की सास लाली देवी भी पूर्व में शार्दुलपुरा ग्राम पंचायत में उप सरपंच रह चुकी हैं। इस अवसर पर भंवरलाल निठारवाल, भागचंद बराला, अध्यापक श्रीराम गुर्जर सहित कई लोग मौजूद रहे।

झुंझुनूं जिले के 122 गांव बनेंगे गरीबी मुक्त

पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत चयनित गांवों में चल रहा सर्वे

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। प्रदेश सरकार की ओर से गरीबी उन्मूलन के लिए प्रारंभ की गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत झुंझुनूं जिले के 122 गांवों को प्रथम चरण में चयनित किया गया है। योजना का उद्देश्य बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) परिवारों को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। राज्य सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 300 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है। योजना के तहत प्रत्येक चयनित बीपीएल परिवार को एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिससे वे स्वरोजगार शुरू कर सकें या कोई छोटा व्यवसाय स्थापित कर अपनी आजीविका चला सकें। यह आर्थिक सहायता उनके जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है।

10 पंचायत समितियों से चयनित हुए गांव

झुंझुनूं जिले की 10 पंचायत समितियों–चिड़ावा, अलसीसर, झुंझुनूं, खेतड़ी, मंडावा, नवलगढ़, पिलानी, सिंघाना, सूरजगढ़ और उदयपुरवाटी–से कुल 122 गांवों का चयन किया गया है। प्रथम चरण में इन गांवों के 207 बीपीएल परिवारों को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। संबंधित उपखंड अधिकारियों के निर्देशन में गांवों में कमेटियों के माध्यम से पात्र परिवारों का सर्वे किया जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी रहेगा फोकस

यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास और रोजगार जैसे क्षेत्रों में भी समग्र विकास सुनिश्चित करने पर बल देती है। विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। योजना के अंतर्गत पांच से 14 वर्ष की आयु के बच्चों का स्कूलों में अनिवार्य नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा, करने पर बल देती है। विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। योजना के अंतर्गत पांच से 14 वर्ष की आयु के बच्चों का स्कूलों में अनिवार्य नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे बालक व बालिकाओं का शैक्षिक स्तर सुधर सके।

वंचित परिवारों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा

जिला परिषद के सीईओ ने बताया कि योजना के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र परिवार सरकार की किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे। यदि कोई परिवार पूर्व में किसी योजना से वंचित रहा है, तो उसे प्राथमिकता के आधार पर जोड़ा जाएगा। इस प्रकार, यह योजना केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक विकास का माध्यम भी बनेगी। चरणबद्ध तरीके से होगा क्रियान्वयन- पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना का क्रियान्वयन चरणबद्ध रूप से किया जाएगा। राज्य के 41 जिलों के 5000 गांवों को प्रथम चरण में शामिल किया गया है, जिनमें झुंझुनूं जिले के 122 गांव भी शामिल हैं। सरकार की यह पहल ग्रामीण विकास की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

प्रत्येक टैम्पो पर किराया सूची लगाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के कुछ जागरूक नागरिकों ने कार्यवाहक तहसीलदार राजू देवी, थानाधिकारी बैगाराम मीणा से मिलकर प्रत्येक टेंपो पर किराया सूची लगवाये जाने की मांग की। साथ ही बिना बस स्टेंड के अन्य जगहों पर रूकने वाली बसों को बस स्टैंड पर रोकने का निवेदन किया। राहुल सामरिया ने बताया कि इस मुलाकात के दौरान रामसिंह भाटी, सवाईसिंह, दिनेश बिजारणिया, भारतभूषण प्रजापत, हंसराज नायक, रामचंद्र राजोरिया, राहुल मेघवाल आदि मौजूद रहे। तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में नए बस स्टैंड को शुरू करने और सुविधाओं को विकसित करने के लिए प्रशासन का धन्यवाद दिया गया है।

कातर में निकाली तिरंगा यात्रा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर कातर मण्डल के अन्तर्गत कातर छोटी गांव में तिरंगा यात्रा निकाली गई, जो करणी माता के मंदिर शुरू हुई और कस्बे के मुख्य मार्गों से गुजरी। रैली में पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, प्रभुसिंह आसरासर, सोहलराम लोमरोड़, मंडल अध्यक्ष अखाराम जाखड़, सीताराम प्रजापत, देवीसिंह, वीरेंद्र सिंह, शिवराज सिंह कातर सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

मण्डावा में मनाई होल्कर की जयन्ती

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मुख्य बाजार स्थित श्री रघुनाथ मंदिर मंगलवार शाम को भाजपा मंडल मंडावा की ओर से अहिल्याबाई होल्कर की 300 जन्म जयंती मनाई गई जिसमें अहिल्याबाई होल्कर कार्यक्रम के जिला संयोजक विष्णु रूंथला मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने होल्कर के जीवन चरित्र को रेखाकिंत किया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, संदीप शर्मा, संजू, विकास सैनी, पंकज, गोपी कुमावत, संदीप शर्मा, प्रवीण, सत्यनारायण शर्मा ज्ञानचंद कुमावत, राधेश्याम कुमावत, गोपी कुमावत, सचिन, मोहित, पंकज आदि मौजूद रहे।

सिरियासर में चाचा नेहरू को किया याद

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मंगलवार को सिरियासर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। मण्डल अध्यक्ष समसाद खान सिरियासर कलां ने बताया कि पूर्व सरपंच मरहूम अलीम बक्श खां चौक में मण्डल अध्यक्ष खान की अध्यक्षता में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस दौरान छोटे छोटे बच्चों ने अपनी हाथों में पुष्प गुच्छ लेकर चाचा नेहरू को याद किया और ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए खान ने चाचा नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला व महान पुरुषार्थ को नमन् किया। इस दौरान सुबेदार मोहम्मद इकबाल खां, दफेदार अयूब खां, योगेश चावरिया, फरमान अली, आफताब, आमान खान, अरमान खान, जुनैद, अयान, अलफाज, प्रिंस, पुचू, डुगु, कबीर, समाईरा, मुकेश सहित काफी बड़े व बच्चे मौजूद रहें।

सिरियासर में चाचा नेहरू को किया याद

मण्डावा(निस)। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मंगलवार को गावं सिरियासर में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। मण्डल अध्यक्ष समसाद खान सिरियासर कलां ने बताया कि पूर्व सरपंच मरहूम अलीम बक्श खां चौक में मण्डल अध्यक्ष खान की अध्यक्षता में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस दौरान छोटे छोटे बच्चों ने अपनी हाथों में पुष्प गुच्छ लेकर चाचा नेहरू को याद किया और ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों के समूख कांग्रेस अध्यक्ष खान ने संबोधित करते हुए चाचा नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला व महान पुरुषार्थ को नमन् किया।

भागवत कथा में सुनाया श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग, श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। राज परिवार, मण्डावा की ओर से गढ़ परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक प्रतापगढ के संत मांगीलाल शर्मा ने मंगलवार को श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह को एकाग्रता से सुना। श्रीकृष्ण- रुक्मणि का वेश धारण किए बाल कलाकारों पर भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने विवाह के मंगल गीत गाए। कथा के मुख्य यजमान ठाकुर दुर्गा सिंह व परिजनो ने दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रसंग में शर्मा ने कहा कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थी। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य व गुणों की प्रशंसा सुनी तो उसने मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह चेदिनरेश राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मणी को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने एक ब्राह्मण संदेशवाहक की ओर से श्रीकृष्ण के पास अपना परिणय संदेश भिजवाया। तब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की नगरी कुंडीनपुर पहुंचे और वहां बारात लेकर आए शिशुपाल व उसके मित्र राजाओं शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदु रथ और पौंडरक को युद्ध में परास्त करके रुक्मणी का उनकी इच्छा से हरण कर लाए। वे द्वारिकापुरी आ ही रहे थे कि उनका मार्ग रुक्मी ने रोक लिया और कृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा। तब युद्ध में श्रीकृष्ण व बलराम ने रुक्मी को पराजित करके दंडित किया। तत्पश्चात श्रीकृष्ण ने द्वारिका में अपने संबंधियों के समक्ष रुक्मणी से विवाह किया। भागवत आरती में राजस्थान ब्राह्मण महासभा के झुंझुनूं जिलाध्यक्ष अरविन्द पारीक, शिक्षाविद्व भोला सिंह यदूवंशी, मंहत पवनदास महाराज, बनवारी गाड़ोदिया अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

अंगद देव सिंह के नेतृत्व में किया सीसी सड़क का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शहर के वार्ड नम्बर 11 ढ़िगाल रोड़ स्थित प्रमोद मोदी, राकेश मोदी, सावंर जांगिड़ की गली में मंगलवार को सीसी रोड़ का शुभारंभ भाजपा के ठाकुर अंगद देव के नेतृत्व में पार्षद प्रतिनिधि सतीश आर्य ने किया। इस उपलक्ष्य पर ठाकुर अंगद देव सिंह ने कहा कि मण्डावा के सभी विकास कार्यों और जन समस्यायों के समाधान के प्रति सदा तत्पर जागरूक रहेंगे, वार्डों में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं रहने देंगे। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि सतीश आर्य ने कहा की एक पार्षद प्रतिनिधि होने के नाते वार्ड के विकास व जन मानस की समस्याओं के प्रति जागरूक व सदा तत्पर रहेंगे। इस अवसर संजय चोपदार, प्रतिपक्ष नेता पार्षद इब्राहिम रंगरेज, गिरवर सिंह चुड़ी पूर्व सरपंच,प्रमोद मोदी, विकास मोदी, रवि शंकर चन्देलिया, विष्णु झाझोट,गणेश जेदिया, राकेश मोदी, सुमित हठवाल, ठेकेदार राशिद आदि लोग उपस्थित रहे।

एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला आज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत बेरोजगार आशार्थियों को प्राईवेट क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय की ओर से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेलें का आयोजन बुधवार को प्रातः 10 बजे से रोजगार कार्यालय झुंझुनूं परिसर में किया जाएगा। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के सहायक निदेशक दयानंद यादव ने बताया कि शिविर में दिल्ली, गुरुग्राम, भिवाड़ी मानेसर, अलवर, स्थित भारत की प्रसिद्ध प्राईवेट (निजी) कम्पनी व सिक्योरिटी कम्पनी भाग लेंगी और इन्टरव्यू लेकर रोजगार उपलब्ध करवाएंगी। इसके अतिरिक्त राजकीय विभागों की ओर से संचालित ब्याज मुक्त ऋणसंबंधी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, स्नातक व आईटीआई ऊतीर्ण योग्यता वाले बेरोजगार आशार्थी अपने शैक्षणिक दस्तावेजों की फोटो प्रति, पासपोर्ट साईज की दो फोटों सहित बुधवार को प्रातः 10 बजे रोजगार कार्यालय झुंझुनूं में इन्टरव्यू देकर रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते है।

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि व कौशल विकास शिविर का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

सीकर(निस)। हिंदुस्तान स्काउट्स व गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय गोकुलपुरा सीकर के तत्वाधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि व कौशल विकास शिविर का उद्घाटन आदर्श सीनियर सैकेंडरी स्कूल बालाजी नगर जयपुर रोड सीकर में किया गया। शिविर प्रभारी ललिता कुमारी ने बताया कि शिविर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि खडेलसर सरपंच ओमप्रकाश भामु, विशिष्ट अतिथि पार्षद नारुराम सैनी, आदर्श स्कूल के चेयरमेन रामानंद खीचड़, सतगुरु एकेडमी से नरेंद्र हुड्डा ,जिला संगठन आयुक्त अजय कुमावत व परमेश्वरी वर्मा, जिला मुख्यालय आयुक्त सुलोचना कुमारी, जिला सचिव डॉ देवेंद्र सिंह, सयुंक्त सचिव माया खीचड़ रहे। शिविर सह प्रभारी सुनीता धायल व मनोज कुमावत ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर के अंदर महिलाओं युवाओ को सिलाई कढ़ाई, मेहंदी ब्यूटीशियन, इलेक्ट्रीशियन कबाड़ से जुगाड़ बनाना कंप्यूटर इंग्लिश स्पोकन कुकिंग आदि विषयों की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस मौके पर ओमप्रकाश भामु व नवदीप खीचड़ ने कहा कि विद्यार्थियों महिलाओं युवाओं को इन शिविरों के माध्यम से स्वावलम्बी व रचनात्मक जीवन जीने की शैली सिखाई जा रही है और लघु उद्योग स्थापित कर अपने जीवन यापन कर सकते है। इस मौके पर सुबीता बाटड़ की ओर से सिलाई व ब्यूटीशियन, दीपेन्द्र कुमार कबाड़ से जुगाड़ बनाना ग्रामीण विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे। दीपेन्द्र कुमार ने अतिथियों का का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 30 को

जयपुर टाइम्स

झुन्झुनू(निस)। जिले के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 30 मई को प्रात 10▲30 बजे सूचना केन्द्र सभागार में किया जाएगा। जिला उद्योग व वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबन्धक नानुराम गहनोलिया ने बताया कि जिसमें राज्य सरकार की ओर से निवेशकों के हितों को ध्यान रखते हुए जारी की गई नवीन नीतियों राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रोमोशन पोलिसी 2024, राजस्थान लोजिस्टिक पोलिसी, राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पोलिसी 2024, राजस्थान इन्टीग्रेटेड कलस्टर डवलपमेंट पोलिसी, टेक्सटाईल एण्ड अपेरेल पोलिसी, एमएसएमई पोलिसी 2024 व डेटा सेन्टर पोलिसी 2024 के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी।

कुम्हार कर्मचारी व समाज सेवा समिति की बैठक 1 जून को

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। कुम्हार कर्मचारी व समाज सेवा समिति जिला झुन्झुनूं की गत 18 मई को किसान कॉलोनी में समिति अध्यक्ष हरिराम दादरवाल के लिए गए निर्णय के निर्देशानुसार ग्रीष्मावकाश में ब्लॉक स्तर पर समिति गठित करने के क्रम मे नवलगढ़ और उदयपुरवाटी ब्लॉक में समिति का गठन हो चुका है, अब इसी क्रम में आगामी रविवार को सुबह 11 बजे खेतड़ी में प्रजापति गेस्ट हाउस व सायं 3.00 बजे सिंघाना में ब्लॉक स्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा। उक्त जानकारी समिति उपाध्यक्ष राजेन्द्र सनोदिया ने दी।

गोदारा व बुडानिया ने दो कूलर किए भेंट

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। समाजसेवी भागीरथ गोदारा बिडोदी बड़ी व हितेश होडा के प्रोपराइटर विद्याधर बुडानिया ने राजस्थान नर्सिंग एसोसिएशन लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष रामलाल महला व नर्सिंग आफिसर वीरेंद्र जाखड़ की प्रेरणा से चिकित्सा कर्मियों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए स्थानीय ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को दो जंबो कूलर भेंट किए हैं। कार्यालय को कूलर भेंट किए जाने पर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार कस्वां ने दानदाता गोदारा व बुडानिया का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार कस्वां, वरिष्ठ नर्सिंग ओफीसर रामकरण ख्यालिया, शपरमेश्वर बेनीवाल, रामलाल महला, वीरेंद्र जाखड़, ब्लॉक प्रोग्राम मोनिटर विकास तूनवाल, धर्मपाल ढाका, खुशी पिलानियां, आशीष मुदगल, योगेश सैनी सहित समस्त स्टाफ कर्मी मौजूद रहे।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला आज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग व जिला प्रशासन की ओर से वरिष्ठ नागरिको के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए बुधवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनिया की ओर से बताया कि जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सूचना केन्द्र सभागार में सुबह 9.30 बजे से किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यशाला मे आयुर्वेद विभाग की ओर से योग और ध्यान का प्रशिक्षण, चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से मानसिक स्वास्थ्य और निवारक देखभाल का प्रशिक्षण, जिले की मेडिकल कॉलेज से पोषण विशेषज्ञ/आहार विशेषज्ञ/परामर्शदाता की ओर से पोषण का प्रशिक्षण, सामाजिक न्याय व अधिकरिता विभाग की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों की जानकारी, पुलिस अधिकारी/कानून विशेषज्ञ की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम और प्रतिक्रिया का प्रशिक्षण, जिले के अग्रिणी बैक, बैक ऑफ बड़ौदा की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए वित्तीय योजना और डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से युवा स्वयंसेवकों/शारीरिक शिक्षक/वरिष्ठ नागरिक नेता/स्वयं सेवी संस्था की ओर से अंतर पीढ़ीगत संवाद तथा मनोरंजक खेल गतिविधियां सत्र का आयोजन किया जायेगा।

श्रद्धालुओं को पिलाया ज्यूस

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस) सिद्ध पीठ में मंगलवार को विमल पुजारी की ओर से सालासर आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यूस पिलाया गया। विमल पुजारी ने बताया कि गर्मी को देखते हुए सालासर आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यूस पिलाया गया जिससे गर्मी में सालासर आने वाले श्रद्धालुओं को निजात मिल सके। इस दौरान मनोहर लाल ढाका, सुनील पोद्दार, संदीप पोद्दार, मनोज डेरा, मनोज खंडेलवाल, मांगीलाल खंडेलवाल, सरवण सैन, मनोज खंडेलवाल ललित शर्मा, लालचंद पनिहार, गिरधारी लाल गोदारा, श्रीराम प्रजापत उपस्थित रहे।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के विधायक अनिल शर्मा के निवास कांग्रेस कार्यालय पर स्वतंत्र भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर संगोष्ठी आयोजित कर पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद किया। इस अवसर पर उपप्रधान केशरीचंद शर्मा, मनफूल खां फौजी ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने ही सर्वप्रथम देश को प्रगति के पथ पर संचालन करने की दिशा दी। वह आधुनिक भारत के निर्माता थे। उनकी सोच से ही आज भारत देश आत्मनिर्भर बनकर विश्व पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ चुका है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष जितेन्द्र राजवी, उपनेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश नाई, नगर अध्यक्ष महावीर माली, राजू खोखर, जिला उपाध्यक्ष रामलाल सारण, आरिफ काजी, लालबहादुर सेवदा, ईश्वर प्रजापत, मंडल अध्यक्ष महावीर प्रजापत, शहर ब्लॉक कांग्रेस संगठन महामंत्री परमेश्वर दुबे, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, तोलाराम सारण, धर्मपाल मेव, इमरान खान, प्रकाश माली, हरलाल बेनीवाल सहित अनेक कांग्रेसी उपस्थित रहे।

जवाहर लाल नेहरू को दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय नगर कांग्रेस कार्यालय में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। इस मौके पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप तोदी, जिला प्रवक्ता इदरीश गौरी, बजरंग सेन, रेखाराम मेहरड़ा, मुकुल मिश्रा, मदन सोनी, पवन भोजक, राजकुमार इंदौरिया, भेराराम प्रजापत, सवाई खां, किशन बोचीवाल, सलीम गौरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चेयरपर्सन ने लगाया नगरपालिका पर जाली हस्ताक्षर करने का आरोप

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। चेयरपर्सन गंगादेवी ने लगाते फर्जी हस्ताक्षर करने का आरोप लगाते हुए अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैथा को पत्र लिखकर कर पत्रावली अवलोकन करवाने के लिए आदेशित किया। नगरपालिका मण्डल के लेटरपैड पर लिखकर अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैथा को आदेशित किया कि 1 नवम्बर 2024 से 26 मई 2025 तक विभिन्न वार्डों में करवाए गए सीसी रोड, इंटरलाक सड़क, नाला नाली व अन्य पेटी वर्क, काटेशन से करवाए गए विभिन्न निर्माण कार्यों स्टाफ की मिली भगत करके मेरे जाली हस्ताक्षर करके बड़ी धनराशि का भुगतान उठाया जाने की जानकारी मिली है। साथ ही इस अवधि में पट्टो की पत्रावली का निस्तारण करके जारी किए पट्टे की पत्रावली का मुझे सात दिवस में पुनरावलोकन करवाए और उपरोक्त अवधि में किए गए समस्त भुगतान की सूचीबद्ध पत्रावली पेश करें।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण व सशक्तिकरण के लिए कार्यशाला आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण व सशक्तिकरण के लिए बुधवार को सवेरे 9.30 बजे जिला मुख्यालय स्थित पेंशनर भवन में कार्यशाला आयोजित की जाएगी। एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कार्यशाला में वरिष्ठजनों से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में योग व ध्यान सत्र, मानसिक स्वास्थ्य और निवारक देखभाल सत्र, पोषण व स्वस्थ रूप से वृद्धावस्था, सामाजिक सुरक्षा लाभों के बारे में जागरूकता, वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम और प्रतिक्रिया सत्र, सामाजिक जुड़ाव और प्रबंधन के लिए रणनीतियां, वित्तीय योजना और डिजीटल साक्षरता पर सत्र, अंतर–पीढ़ीगत संवाद, वरिष्ठ नागरिकों का अनुभव व फीडबैक आदि सहित अन्य कल्याणकारी जानकारी दी जाएगी।

जमीन पर जबरन कब्जा कर बनाया पक्का निर्माण, न्याय की लगाई गुहार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। जिला सर्तकता समिति में हुई शिकायत पर समिति के अध्यक्ष जिला कलेक्टर डॉ अभिषेक सुराणा ने राजलदेसर अधिशाषी अधिकारी को तीन दिन में शिकायत का समाधान कर सूचित करने के आदेश प्राप्त हुए। जानकारी के अनुसार शिकायत दीनदयाल पुत्र राधेश्याम सोनी निवासी रतनगढ़ की ओर से दी गई जिसमें उल्लेख किया गया कि हमारी वार्ड सं 3 आथुणा कुएं के पास खरीदशुदा जमीन है। जिस पर पारीक सेवा समिति के मंत्री मंगलचंद पाण्डिया पुत्र महालचन्द व भागीरथ पारीक पुत्र हनुमान मल आदि व्यक्तियो ने प्रार्थी की जमीन पर नाजायज अतिक्रमण कर बिना नगरपालिका की सहमति व अन्य सह मालिको की अनुमति बिना अवैध रूप से छः दुकानो का निर्माण करवा लिया। नगरपालिका को बार बार अवगत करवाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। जिस कारण मुझे न्याय के लिए जिला कलेक्टर के पास उपस्थित होना पड़ा। जिस पर दीनदयाल सोनी ने व्यक्तिगत अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका राजलदेसर के समक्ष उपस्थित होकर भी प्रार्थना पत्र पेश की। जिसपर अधिशाषी अधिकारी कुन्दन दैथा ने बताया कि जिला कलेक्टर से प्राप्त पत्र में अवैध निर्माण की शिकायत है। जिस पर कार्यवाही की जाएगी। दीनदयाल सोनी ने बताया वार्ड सं 3 आथुणा कुएं केपास हमारी खरीदशुदा जमीन है जिस पर पारीक सेवा समिति के पदाधिकारियों मंगतमल पाण्डिया व भागीरथ पारीक ने कब्जा कर अवैध रूप से वाणिज्यिक दुकानें बना ली। जिसकी बार बार नगरपालिका राजलदेसर मे शिकायत की गई जिस पर नगरपालिका की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई। इससे दुखी होकर मैनै जिला कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है जिस पर तीन दिन में कार्यवाही का आश्वासन मिला है। तीन दिन में कार्यवाही नहीं होती है तो न्याय के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

रतनगढ़ में घर-घर कचरा संग्रहण में धांधली का आरोप, भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। शहर में घर-घर कचरा संग्रहण प्रक्रिया में हो रही धांधली और नियमित ऑटो टिपर संचालन न होने की समस्या को लेकर भाजपा नेता अरविंद इंदौरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को उपखंड अधिकारी रामप्रताप वर्मा को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इस समस्या के तत्काल समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि कचरा संग्रहण करने वाली कंपनी के ठेकेदार और ऑटो टिपरों की मनमर्जी से हड़ताल करना अब रोज की बात हो गई है। नगरपालिका प्रशासन की उदासीनता के चलते आम जनता को रोजाना कचरा इधर-उधर फेंकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ रही हैं। भाजपा नेता अरविंद इंदौरिया ने आरोप लगाया कि आए दिन किसी न किसी वजह से ऑटो टिपर वार्डों में आना बंद हो जाते हैं। कंपनी की ओर से नगरपालिका की शर्तों के मुताबिक काम नहीं किया जा रहा है। उन्होंने जयपुर की एक ही कंपनी को 2022-23 से लगातार ठेका देकर भ्रष्टाचार करने और मिलीभगत का आरोप लगाया। इंदौरिया ने यह भी बताया कि नगर पालिका, ठेकेदार और ऑटो टिपर कर्मियों के आपसी झगड़े के कारण जनता को लगातार परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने इस पूरे टेंडर प्रक्रिया की जांच करवाने और ऑटो टिपरों का संचालन शीघ्र शुरू करवाने की मांग की। इस अवसर पर भाजपा नेता शंकरलाल कम्मा, पूर्व महामंत्री भरत सैनी, युवा नेता अनूप पीपलवा, पूर्णमल दादरवाल, दीनदयाल सोनी, नारायण दायमा, राजकुमार सोनी, नूर मोहम्मद, कालूराम भार्गव, संतोष कुमार जोशी, परमेश्वर प्रजापत, पार्षद रामकिशन माटोलिया सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोमटीया में पेयजल संकट गहराया, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील क्षेत्र में भीषण गर्मी के बीच तहसील के गांव गोमटीया के ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी की समस्या को लेकर गोमटिया गांव के ग्रामीणों ने एसडीएम एसडीएम डॉ दिव्या चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि गांव में पीएचईडी का एक ट्यूबवेल वर्षों पहले बनाया गया था जो पिछले चार साल से बंद पड़ा है। इसके अलावा ग्राम पंचायत की ओर से बनवाया गया दूसरा ट्यूबवेल भी अब जर्जर पाइपलाइनों के कारण निष्क्रिय हो चुका है। ग्रामीणों ने सरपंच को कई बार इस समस्या से अवगत करवाया लेकिन समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। जबकि सरकार की ओर से गांव में नई पाइपलाइन के लिए पाइप पहले ही पंचायत में पहुंच चुके हैं।ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजना से भी उनका गांव अब तक वंचित है। गर्मियों की तपती दोपहर में गांव वाले मवेशी और बच्चे सभी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि इस गंभीर मुद्दे को संज्ञान में लेकर जलदाय विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दें ताकि गांव में जल्द से जल्द पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस मौके पर रामचंद्र सारण, सोहनदास स्वामी, निराणसिंह राजपुत, खीराजदास स्वामी, मुकेश कुमार, राजूराम नाई, श्योलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम कल से

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से खरीफ पूर्व अभियान के तहत विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन जिले में 29 मई से 12 जून तक किया जाएगा। कृषि विस्तार संयुक्त निदेशक मुकेश माथुर ने बताया कि कार्यक्रम अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र सरदारशहर व चांदगोठी के वैज्ञानिकों की ओर से खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकी, किसानों के लिए उपयोगी विभिन्न सरकारी विभागीय योजनाओं की जानकारी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड में सुझाई गई विभिन्न फसलों के चयन तथा संतुलित उर्वरक व खाद, प्रमुख रूप से बीजों की नई किस्मों, उत्पादकता वृद्धि के मूल मंत्र जैसे कि समय पर बुवाई, प्रमाणित/उन्नत बीज का प्रयोग, मिटटी की जांच के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग, उचित बीज दर व फसल की कतार में बुवाई, दलहनी/तिलहनी फसलों में जिप्सम का उपयोग, फव्वारा/ड्रिप/सिचाई पाईपलाईन का उपयोग, फसल की क्रान्तिक अवस्थाओं पर सिंचाई, मित्र कीटों का संरक्षण उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग इत्यादि के बारे में किसानों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढावा देने पर बल दिया जाएगा व किसानों से फीडबैक लिया जाएगा, जिससे किसानों की ओर से किए गए नवाचार के बारे में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त कर सके और अनुसंधान की दिशा का निर्धारण कर सके। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के नोडल अधिकारी उप निदेशक कृषि व पदेन परियोजना निदेशक आत्मा, चूरू होंगे। विभाग की ओर से कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रत्येक टीम के साथ समन्वय के लिए विभाग के प्रतिनिधि के रूप में सहायक निदेशक कृषि/कृषि अधिकारी/कृषि अनुसंधान अधिकारी का मनोनयन किया गया है। क्षेत्रीय कृषि कार्मिकों को शिविरों में अधिकाधिक किसानों को आमंत्रित करने के निर्देश दिये गये हैं।

सांसी समाज के लोगों ने अधिकारियों का जताया आभार

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़ (नि.सं.)। सांसी बस्ती में ट्रांसफार्मर लगाकर वोल्टेज की समस्या का समाधान किए जाने पर सांसी समाज के लोगों ने विद्युत निगम का आभार जताया है। सांसी समाज बीकानेरवाटी अध्यक्ष महेश कुमार सांसी, सीताराम रुपाराम, ज्ञानचंद, मोहनलाल, पवन मुकेश, रविंद्र, अजय, रमेश, धर्मचंद, अनिल, सोनू, चांद कालू, विष्णु, विकास, प्रेम, सोनू, रोहित आदि लोग विद्युत निगम के कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों का स्वागत करते हुए आभार जताया।

नवीन भारत के निर्माण में पंडित नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिकाः चौहान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू जिला मुख्यालय आथूना मोहल्ला वार्ड नंबर 6 पर चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान की अध्यक्षता में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम रखा। इस दौरान चौहान ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर नवीन भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश को विकास के उस पथ पर अग्रसर किया जिससे भारत की विश्व में अलग पहचान बनी है। उन्होंने आजीवन लोकतांत्रिक सिद्धांतों का प्रचार किया और समूचे विश्व को शांति का पाठ पढ़ाया। हम जो आज सोचते हैं और जो कार्रवाई करते हैं, उससे कल का हिंदुस्तान बनता है। कार्यक्रम में आरिफ़ पीथीसर, बजरंग बजाड़, शाहरुख खान, ज़ाकिर मुश्ताक, मनफूल अली, नासिर अली, रमेश कुमार, दिलीप सिंधी, विश्वनाथ, सैय्यद सोलंकी, मुश्ताक पीथीसर अली हसन गौरी आदि उपस्थित रहे।

गर्भ में मरा बच्चा, कुछ घंटे बाद प्रसूता की मौत, हॉस्पिटल में परिजनों ने किया हंगामा

चित्तौड़गढ़(निस)।

चित्तौड़गढ़ के महिला एवं बाल हॉस्पिटल में एक बार फिर लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। लेबर पेन के दौरान हॉस्पिटल पहुंची महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उससे पहले उसके कोख में ही बच्चे की भी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने हॉस्पिटल में हंगामा कर दिया। परिजनों ने डॉक्टर को बर्खास्त करने की मांग की है। मृतक महिला का नाम प्रीति (29) पत्नी नरेश कंडारा है। प्रीति मूल रूप से रतलाम (मध्यप्रदेश) की रहने वाली थी और ससुराल भीलवाड़ा में है। उसका पति नरेश कंडारा चित्तौड़गढ़ शहर में टैक्सी चलाता है। दोनों की शादी को 8 साल हो चुके थे और उनकी एक 5 साल की बेटी भी है। नरेश ने बताया कि बीती रात करीब 2.30 बजे उसकी पत्नी को तेज लेबर पेन हुआ। वह प्रीति को तुरंत लेकर चित्तौड़गढ़ के सांवरिया जी महिला एवं बाल हॉस्पिटल पहुंचा। वहां नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि हॉस्पिटल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है। नरेश ने महिला डॉक्टर दीप्ति श्रीवास्तव को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने पहले फोन नहीं उठाया। बाद में जब कॉल रिसीव किया तो उन्होंने यह कहकर बात काट दी कि "दर्द होता है, स्टाफ देख लेगा"। नर्स ने प्रीति को एडमिट तो कर लिया, लेकिन सुबह जब उसे इंजेक्शन दिया गया, तब उसकी तबीयत बिगड़ गई। स्टाफ घबरा गया और डॉक्टर को फोन किया। तब जाकर डॉक्टर दीप्ति श्रीवास्तव हॉस्पिटल पहुंचीं और महिला को आईसीयू में ले जाया गया। डॉक्टर ने बाहर आकर परिजनों को बताया कि बच्चा गर्भ में ही मर चुका है। ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक प्रीति की हालत बहुत गंभीर हो चुकी थी और वह सांस नहीं ले पा रही थी। कुछ घंटों बाद उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साएं परिजनों और ग्रामीणों ने हॉस्पिटल में हंगामा कर दिया। सूचना पर रावतभाटा एडीएम विनोद मल्होत्रा, एसडीएम पंकज बड़गूजर, डीएसपी विनय चौधरी और सदर थाना अधिकारी निरंजन प्रताप सिंह पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। महिला के पति नरेश कंडारा ने पुलिस को रिपोर्ट दी और डॉक्टर दीप्ति श्रीवास्तव को बर्खास्त करने की मांग की। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस मामले में जब डॉक्टर दीप्ति श्रीवास्तव से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा। इस मामले में एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की लापरवाही और डॉक्टरों की गैर-जिम्मेदारी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिर मुंडवाकर फरारी काट रहा था, गिरफ्तार, पड़ोसी दुकानदार पर किया था चाकू से हमला

कोटा(निस)। आपसी कहासुनी में दुकानदार पर चाकू से हमला करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी रोहित रटले (26) डडवाड़ा थाना भीमगंजमंडी का निवासी है। जो तीन दिन पहले पड़ोसी दुकानदार को चाकू मार कर फरार हुआ था। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने सिर मुंडवा लिया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी को मौका तस्दीक करवाने घटनास्थल ले गई। भीमगंजमंडी थाना सीआई राम किशन गोदारा ने बताया- 24 मई की रात 8 बजे आपसी कहासुनी में रोहित ने पड़ोसी दुकानदार भावेश दीक्षित (48) पर चाकू से हमला किया था। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया। आरोपी की तलाश में टीमें गठित की। आरोपी सवालियां जी में हुलिया बदलकर रह रहा था। उसने अपने सिर के बाल मुंडवा रखे थे। जिसे गिरफ्तार किया है। आरोपी को साथ लेकर घटनास्थल की मौका तस्दीक करवाई है। आरोपी दादाबाड़ी इलाके में कपड़े की दुकान लगाते है। जबकि उसके पिता की डडवाड़ा इलाके में दुकान है। पिता की दुकान के पास ही भावेश की घड़ी चश्में की घड़ी की दुकान है। रोहित व भावेश के बीच चश्मा खरीद को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। रोहित ने भावेश पर चाकू से वार किया था।

अतिक्रमण हटाने को लेकर नगर परिषद करेगी सख्त कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगरपरिषद प्रशासन अतिक्रमण को लेकर अब सख्त होने जा रहा है। नगरपरिषद के आयुक्त की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, गांधी चौक व अन्य भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात बाधित न हो, इसके लिए नगरपरिषद व यातायात पुलिस की टीम का गठन किया गया है। आयुक्त मघराज डूडी ने बताया कि अगले तीन दिनों तक सभी से वाहनों, रेहड़ियों, ठेलों आदि को व्यवस्थित तरीके से खड़े होने के लिए पाबंद किया जाएगा। इसके बाद जो भी व्यक्ति अव्यवस्थित तरीके से खड़ा नजर आएगा, उसका सामान जप्त कर लिया जाएगा। इसी प्रकार आगामी 1 जून से कोई भी दुकानदार दुकान के बाहर, सीढ़ियों में व सड़क पर सामान रखता पाया गया, तो बाहर वाला सामान जप्त कर लिया जाएगा। इसी प्रकार वाहन भी अगर नो पार्किंग जोन में खड़े मिले, तो जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

राजेंद्र राठौड़ से मिला प्रतिनिधिमंडल, बसे चलाने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पुराने बस स्टेंड पर वापस बसों का ठहराव सुनिश्चित करने और ग्रामीण रूट की बसों को लाडनू बस स्टेंड से शुरू किए जाने की मांग को लेकर नगरपरिषद की नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच के नेतृत्व में व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल पूर्व नेता प्रतिपक्ष विधानसभा राजेंद्र सिंह राठौड़ से मिला है। संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष गिरधारीलाल बुगालिया, कमल दाधीच, एडवोकेट विमल गोदारा, सुरेश अरोड़ा, केसर बटेसर, दिलीप प्रजापत, मनोज पारीक आदि ने राठौड़ को व्यापारियो को हो रही दिक्कतों के बारे में बताया। कमल दाधीच ने बताया कि राजेंद्र राठौड़ ने जिला कलक्टर से फोन पर बात कर आम जनता की सुविधा के अनुसार व्यवस्थाएं लागू करने की बात कही है।

सरदारशहर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। थाना क्षेत्र की एक युवती ने गिरधारीलाल प्रजापत के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया था । पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसके अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने प्रकरण संख्या 206/2025, धारा 64(1) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशानुसार महिला अपराध की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी मदनलाल बिश्नोई के नेतृत्व में तत्काल अलग अलग टीमों का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज खंगाले और दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी गिरधारीलाल पुत्र द्वारका प्रसाद उर्फ दुगडसिंह उम्र 25 वर्ष जाति कुम्हार, निवासी वार्ड संख्या 45, बुबना कुआ के पास फतेहपुर थाना कोतवाली, जिला सीकर को दस्तयाब किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी का अपराध धारा 64(1) बीएनएस के अंतर्गत प्रमाणित पाया गया। जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। प्रकरण की जांच उप निरीक्षक मंगुराम की ओर से की जा रही है। टीम में अनिल कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा) चूरू ने किया शिक्षा अधिकारियों का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (रेसा) की ओर से मंगलवार को स्थानान्तरण के पश्चात पदस्थापित जिला शिक्षा अधिकारी व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रेसा चूरू शिवराज सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी (मा.) संतोष महर्षि, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा.) ओमप्रकाश प्रजापत व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चूरू भंवरलाल डूडी का माल्यार्पण व साफा पहनाकर रेसा की ओर से मान सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान रेसा चूरू शिक्षा अधिकारी रमेश गढ़वाल, सुनील शर्मा, हरिप्रसाद शर्मा, बेधड़क बडसरा, रामचंद्र, मदन कडवासरा, संजीव धैतरवाल, विक्रम स्वामी, सुमन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन रेसा मीडिया प्रभारी संजीव धैतरवाल ने किया।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आज सालासर आएंगे

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को सालासर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी बुधवार को दोपहर 1 बजे लक्ष्मणगढ़, सीकर से प्रस्थान कर दोपहर 1.30 बजे सालासर पहुंचेंगे। सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन व पूजा अर्चना कर दोपहर 2 बजे सालासर से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कलेक्ट्रेट का घेराव कर रही भीड़ ने पूर्व-मंत्री की गिरेबान-पकड़ी

प्रदर्शनकारियों पर जमकर लाठीचार्ज

पीएचक्यू कर्मचारी पर युवक की हत्या का आरोप, 9 दिन बाद मौत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। दुबई से अपने गांव लौटे युवक की हत्या का मामला तूल पकड़ गया। परिजनों ने तीसरे दिन भी शव नहीं लिया। वे आरोपियों गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। शव का अंतिम संस्कार कराने के मना कर दिया है। इस दौरान कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल कर पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। प्रदर्शन में पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी मौजूद रहे। गुस्साए ग्रामीणों से समझाइश कर रहे गुढ़ा पर प्रदर्शनकारी भड़क गए। गुढ़ा के साथ धक्कामुक्की कर डाली। इसके बाद पुलिस ने भीड़ को बलपूर्वक खदेड़ा। मामला झुंझुनूं के बिरमी के धनुरी थाना इलाके का है। शव बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखा है। जानकारी के अनुसार, सुभाष की पत्नी मनोज देवी ने 18 मई को धनूरी थाने में मामला दर्ज कराया था। इसमें बताया था कि त्रिलोका का बास निवासी मुकेश जाट, उसके साले व दो-तीन अन्य ने हमला कर उसके पति सुभाष मेघवाल की हत्या कर दी

है। परिजनों के अनुसार, आरोपी मुकेश करीब 8 साल पहले अनुकंपा पर झुंझुनूं पुलिस में कनिष्ठ सहायक के पद पर लगा था। वरिष्ठ सहायक के पद पर प्रमोशन के बाद इन दिनों पुलिस मुख्यालय जयपुर में तैनात है। चौपड़ा ने बताया कि सुभाष की मौत के बाद से सर्व समाज के लोग बीडीके अस्पताल में लगातार धरने पर बैठे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक न तो पोस्टमॉर्टम होने दिया जाएगा और न ही अंतिम संस्कार।

होटल पर हुई थी मारपीट

ग्रामीण सचिन चौपड़ा के अनुसार, सुभाष मेघवाल दुबई में काम करता था। वह 5 मई को अपने गांव धनुरी आया था। उसे 20 मई को वापस दुबई लौटना था। इस दौरान 16 मई की रात वह धनुरी के रोहिड़ा बस स्टैंड के पास एक होटल पर खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद उसकी त्रिलोका का बास निवासी मुकेश जाट से उसकी कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वह होटल से अपने घर की ओर आ रहा था। इस दौरान पीछा कर मुकेश और अन्य ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की।

9 दिन चले इलाज के बाद मौत

परिजनों को सुभाष होटल के बाहर खून से लथपथ हालत में मिला था। इसके बाद परिजनों ने उसे तुरंत झुंझुनूं के राजकीय बीडीके अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे 18 मई को जयपुर रेफर कर दिया गया था। जयपुर में भी इलाज के दौरान उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। ऐसे में सुभाष को चौमूं के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। 25 मई की रात सुभाष ने दम तोड़ दिया। सुभाष के शव को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। परिजनों की मांग है कि आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और परिवार के लोगों को मुआवजा मिले।

सरदारशहर अमृत योजना बनेगी वरदान

करणी नगर, काका कॉलोनी, गणपति विहार, मदीना कॉलोनी के पास 4 टंकियां का होगा निर्माण, 19.22 करोड़ की लागत से 13.50 लाख लीटर पानी की होगी क्षमता

पीएचडी विभाग ने जगहों का किया निरीक्षण, जल्द होगा काम शुरू

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के नगरपरिषद क्षेत्र में अमृत मिशन के तहत मीठे पानी की चार टंकिया स्वीकृत होने के बाद में जल्द ही नगरपरिषद क्षेत्र में कई कॉलोनियों को मीठा पानी मिलेगा। इन कॉलोनियों में मीठे पानी की लाईन नहीं होने के कारण लोगों को पानी की किल्लत की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। पीएचडी विभाग के एक्सईएन रामदेव पारीक ने बताया कि 19. 20 करोड़ की लागत से काका कॉलोनी में 4 लाख लीटर, गणपति विहार में 4 लाख लीटर, करणी कॉलोनी में 2.5 लाख लीटर, मदीना कॉलोनी में 3 लाख लीटर पानी की क्षमता वाली चार टंकिया बनाई जाएगी। जहां पर यह टंकिया बननी है उस जगह का निरीक्षण पीएचडी विभाग के अधिकारी कर चुके है। एक्सएन पारीक ने बताया कि जिन जिन कॉलोनियां नहर के पानी से वंचित हैं उन सभी में भूमिगत पाईप लाईन डालकर मीठा पानी उपलब्ध करवाया जायेगा। भाजपा नेता पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी व पार्षद हंसराज सिद्ध ने बताया कि नगरपरिषद क्षेत्र में कई ऐसी कॉलोनिया थी। जिनमें मीठा पानी उपलब्ध नहीं हो रहा था। अब इन कॉलोनियों में एक वर्ष की अवधी में यानि 30 अप्रैल 2026 तक पानी मिलेगा।

कॉलोनियों के लोग टैंकरों के भरोसे रहते थे, अब मिलेगा नहर का पानी

वर्तमान में नगरपरिषद क्षेत्र में पानी की काफी समस्या है। अमृत मिशन योजना के टंकी बनने के बाद में टैंकर मंगवाने की समस्या खत्म हो जाएगी। कॉलोनियों के लोगों ने बताया कि अब तक लोग पानी के लिए टैंकर के भरोसे ही रहते थे ।2026 में मीठा पानी मिलने की उम्मीद है।

चूरू के विभिन्न वार्डों में बिजली समस्या, आमजन हो रहे परेशान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के निर्देशानुसार वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्माण व चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर के नेतृत्व में निवर्तमान कांग्रेस पार्षदों व कार्यकर्ताओं ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड वृत चूरू के अधीक्षण अभियंता को शहर के विभिन्न वार्डों में हो रही बिजली की समस्या को लेकर ज्ञापन दिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो हुसैन निर्माण की टीम में कर्मचारियों की संख्या को सिटी प्रथम व सिटी द्वितीय में बढ़ाने व बिजली कटौती को लेकर भी अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि बिजली की समस्या के कारण आमजन परेशान है। चूरू की इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती की समस्या बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। चूरू शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर ने बताया कि ज्ञापन में चूरू शहर के विभिन्न वार्डों में नया ट्रांसमीटर, जर जर विद्युत पोल को बदलने, विद्युत लाइन को शिफ्ट करने तथा ढीले पड़े तारों को सही करने की मांग की। इस दौरान अजीज दिलावरखानी, असलम खा मॉयल, जिला उपाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, तौफीक खान, अली मो भाटी, इस्माइल भाटी, समीउल्लाह गौरी, रामेश्वर नायक, खालिद कुरैशी, विनोद खटीक मौजूद रहे।

सभापति के वार्ड में नाला निर्माण नहीं, मोहल्लेवासियों ने किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय धिंगाणिया बास के लोगों ने नगरपरिषद कार्यालय में प्रदर्शन कर नाला निर्माण करवाए जाने की मांग की है। नगरपरिषद आयुक्त के चैम्बर के बाहर लोग बैठ गए और धरना देकर नगरपरिषद प्रशासन व सभापति के खिलाफ नारेबाजी की। इरफान छींपा ने बताया कि सभापति के मोहल्ले में ही यह समस्या है और पिछले दो महीनों से हम संघर्ष कर रहे हैं। धरने पर कुछ देर बाद वार्ड की अनेक महिलाएं भी पहुंची। करीब आधे घंटे तक आयुक्त के चैम्बर के बाहर धरना देने के बाद आयुक्त से प्रदर्शनकारी लोग मिले और समस्या समाधान की मांग की। इस दौरान उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया ने भी लोगों से समझाईश के प्रयास किए और बताया कि आपके काम का टेंडर किया हुआ था, लेकिन केंसिल हो जाने से काम में देरी हुई है। लोगों को शांत करते बाद नगरपरिषद आयुक्त मघराज डूडी ने बताया कि पिछले 5 सालों से यह काम बाकी था। अब जाकर टेंडर हुए और उसमें ठेकेदार ने 20 प्रतिशत बिलो में ठेका ले लिया और बाद में मौके को देखकर काम करने से मना कर दिया। उसके बाद दूसरे ठेकेदार की रेट 20 प्रतिशत अधिक थी, इसलिए हम लोग 40 प्रतिशत डिफरेंस के चलते उससे भी काम नहीं करवा सकते। इसलिए टेंडर केंसिल हुआ और अब सात दिनों में दुबारा टेंडर होकर काम शुरू करवा दिया जाएगा। लोगों ने चेतावनी दी कि अगर सात दिनों के बाद काम शुरू नहीं किया गया, तो नाला बंद कर दिया जायेगा। प्रदर्शन के दौरान इरफान, नदीम, रफीक, रमजान, चांद, अनस, गुलशन, आमीन, सोना, सलीम, सरिता, दुर्गा, रेहान, आसिफ, कालू सहित अनेक मोहल्लेवासी मौजूद रहे।

25 साल पुरानी जमीन पर विवाद

करौली (निस)। करौली के मंडरायल मार्ग स्थित रणगामा तालाब क्षेत्र में भूमि विवाद का मामला सामने आया है। औरंगाबाद तालाब क्षेत्र के रहने वाले रूप किशोर ने अपने परिवार के साथ एसपी को ज्ञापन सौंपा है। रूप किशोर ने बताया कि उन्होंने 25 साल पहले रणगामा तालाब क्षेत्र में दो बीघा जमीन खरीदी थी। इस जमीन की उस समय नियमानुसार रजिस्ट्री भी कराई गई थी। अब विक्रेता ने इसी जमीन का नामांतरण अपने कुछ परिवार के सदस्यों के नाम करवा लिया है। पीड़ित का आरोप है कि इस मामले में कोर्ट द्वारा स्टे आदेश जारी किए जाने के बावजूद आरोपियों ने भूमाफियाओं के साथ मिलकर जमीन को बेच दिया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन देने के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

जीजा-साले पर तीन युवकों ने किया जानलेवा हमला

बूंदी(निस)। बूंदी में एक व्यक्ति और उसके जीजा पर तीन युवकों द्वारा किए गए हमले के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि यह घटना 22 मई को मीरा गेट क्षेत्र में हुई। पीड़ित अमित शर्मा ने बताया कि 22 मई शाम साढ़े 5 बजे वह अपने जीजा दीपक गौड़ के साथ मीरा गेट गए थे। वहां कोटा निवासी गोविंदा सुमन अपने दो साथियों के साथ मौजूद था। गोविंदा ने दीपक को देखते ही अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें पकड़ लिया। आरोपियों ने पाइप, डंडे और चाकू से हमला किया। हमलावरों ने दीपक के सिर पर कई बार चाकू से वार किए। जब अमित ने बचाव का प्रयास किया, तो उस पर भी डंडों से हमला किया गया। अमित के कान के पास भी चाकू से वार किया गया। पीड़ित के अनुसार, गोविंदा सुमन पहले से उनकी बहन को ब्लैकमेल कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। मुख्य आरोपी गोविंदा को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया, जिसे हमले में चोट लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार हुए अन्य दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। मामला धारा 126(2), 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस 2023 के तहत दर्ज किया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा यात्रा निकाली

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर मंगलवार को सालासर कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई। सीकर तिराहा शिव मंदिर से रवाना होकर मुख्य बाजार होते हुए श्री बालाजी मंदिर के प्रवेश होती हुई तिरंगा यात्रा पहुंची। डीजे की धुन पर देशभक्ति गानों के साथ निकाली गई यात्रा में आसपास के गाँवों से सेंकडो ग्रामीणों ने यात्रा में भाग लिया। बालाजी मंदिर के प्रवेश द्वार पर श्री हनुमान सेवा समिति अध्यक्ष सत्यप्रकाश पुजारी, मांगीलाल पुजारी, हीरालाल पुजारी व जीतमल शर्मा ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। चौधरी मिष्ठान भंडार पर सीकर बस यूनियन अध्यक्ष गोपाल ढाका व शक्ति सिंह ऐवाद ने तिरंगा यात्रा पर पुष्प वर्षा की यात्रा में शामिल भंवरलाल सामोता मनोज शर्मा, महावीर सिंह पार्वतीसर, सरपंच ज्वाला कँवर, जिप सदस्य नोरंगलाल सीलू, दलीप शर्मा लालचंद पनिहार विशाल जांगिड़, कुंभाराम ढुकिया, डॉ. लादुसिंह राव, संतोष प्रजापत, रतनलाल ढाका, दलीप शर्मा, विकाश ढाका, महेंद्र सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।